जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 109 प्रभात कोटा, शनिवार 1 फरवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

केन्द्र सरकार ने उद्देश्य पर फोकस कर प्रगति की- राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद के बजट सत्र में दिये अभिभाषण में विभिन्न क्षेत्रों में विकास पर प्रसन्नता जताई

- उन्होंने कहा कि देश निर्णयों को लागू होते देख रहा है। इसमें गरीब महिलाओं व युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।
- युवाओं को 500 शीर्ष कंपनियों में इन्टर्नशिप मिलेगी, जिससे उनके लिये रोजगार के अवसर खुलेंगे।

नई दिल्ली, 31 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को बजट सत्र के शुभारंभ के अवसर पर संसद के संयुक्त सत्र में उद्देश्य की एकता पर बल दिया। उन्होंने "एक राष्ट्र, एक चुनाव" वक्फ अधिनियम, पूर्वोत्तर में शांति तथा मध्यम वर्ग, महिलाओं, एस सी, एस टी एवं ओ बी सी समुदायों पर फोकस जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रगति के लिये सरकार की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें संसद की इस बैठक को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। संविधान 75 साल पूरे कर चुका है। मैं बाबा अंबेडकर समेत अन्य संविधान निर्माताओं को नमन करती हूं। राष्ट्रपति ने महाकुंभ का जिक्र किया और वहां भगदड़ में हताहत लोगों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी श्रद्धांजलि दी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज देश निर्णयों को लागू होते देखरहा है। इसमें गरीब, महिलाओं, युवाओं आदि को प्राथमिकता दी जा रही है। 3 करोड़ परिवारों को घर देने का फैसला हुआ है। सरकार ने गांव में आबादी के लिए सौमित्र योजना के तहत 2 करोड़ से ज्यादा सौमित्र कार्ड जारी किए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 41 हजार करोड़ की राशि वितरित की गई है। जनजातीय लोगों के लिए भी 80 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि नेचुरल फार्मिंग को बढ़ ावा दिया जा रहा है और हमारा पशुधन मजबूत हो रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए इलाज के लिए हर साल 5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। युवाओं को 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप मिलेगी, जिससे उनके लिए रोजगार के रास्ते खुलेंगे। पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत25 हजार बस्तियों को जोड़ने के लिए 70 हजार करोड़ का प्रावधान हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि बीते 6 माह में 17 नई वंदे भारत और एक नमो भारत ट्रेन मिली है। वन नेशन वन इलेक्शन की ओर सरकार ने कदम बढ़ाए हैं। 10 साल में विकसित भारत की ओर तेजी से कदम बढ़े हैं। भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण बड़ा कदम है। स्वयंसहायता समूह के तहत महिलाओं को मजबूत किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के द्वारा निर्मित गगनयान से एक भारतीय अंतरिक्ष में जाएगा। भारत ने अपने स्पेस स्टेशन का मार्ग आसान कर दिया है। राष्ट्रीय स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। शतरंज चैपियनशिप में भी भारत का परचम लहराया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम किया है। कोविड के युद्ध जैसे हालात के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थायित्व दिखाया है, वह उसकी शक्ति का उहादरण है। आज भारत तकनीक के क्षेत्र में प्रमुख ग्लोबल प्लेयर है। यूपीआई से विकसित देश भी प्रभावित हैं। 50 फीसदी से ज्यादा डिजिटल पेमेंट भारत में हो रहा है। इसकी सुविधा बड़े लोगों से लेकर छोटे दुकानदार तक ले रहे हैं। साइबर सिक्योरिटी में लगातार कार्य किया जा रहा है। भारत को साइबर सिक्योरिटी में टियर 1 स्टेटस मिल गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिले, ये सरकार का लक्ष्य है। एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। कैंसर मरीजों की दवाओं को कस्टम से मुक्त कर दिया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के लिए काम किया है। वहाँ दिलों की दूरी को समाप्त किया है। शांति के कई समझौते हुए हैं, लोगों को जोड़ने का काम किया गया है। पूर्वी राज्यों के विकास की योजना पर काम शुरूकर दिया गया है। अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में भी कई योजनाएं शुरू की गई हैं। जम्मू-कश्मीर में 370 हटने के बाद विकास का एक नया वाातावरण बना है। प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए हैं। इसके लिए लोग बधाई के पात्र हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हम साथ मिलकर बढ़ेंगे तो हमारी भावी पीढ़ि यां निश्चित ही 2047 में विकसित और समृद्ध भारत देखेंगी।

जेजेएम प्रकरण में आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

जयपुर, 31 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन में फर्जी दस्तावेजों के जरिए टेंडर लेने से जुड़े ईडी के मामले में आरोपी महेश मित्तल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद दिया।

जमानत याचिका में अधिवक्ता विवेक राज बाजवा ने अदालत को बताया कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से पदम चंद जैन, पीयूष जैन और संजय बड़ाया को जमानत मिल चुकी है। इसके अलावा, यदि संजय बड़ाया के जरिए

- याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में दलील पेश की, मामले में चार अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।

तत्कालीन मंत्री महेश जोशी को रुपए देना बताया जा रहा है तो फिर महेश जोशी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पदम चंद जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इस बिंदु पर सवाल खड़ा किया था। याचिका में यह भी कहा गया कि उसे जेल में रखने से उसके संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 21 के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए, जिसका विरोध करते हुए ईडी की ओर से एएसजी राज दीपक रस्तोगी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो टिप्पणियों के नाम रहा, संसद के बजट सत्र का पहला दिन

मोदी ने विदेशी चिंगारी का जिक्र किया, सोनिया के "पुअर थिंग" पर भाजपा आक्रामक हुई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। दो, फ्रेज़ (वाक्यांश) जिनमें से एक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिन्दी में कहा और दूसरा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अंग्रेजी में), संसद बजट सत्र के पहले दिन की उल्लेखनीय बात रहीं। ये दोनों कथन आगामी जबरदस्त राजनैतिक लड़ाई के संकेत दे रहे हैं।

आज सुबह मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2014 से लेकर अब तक लोग कोई न कोई शरारत करने के लिए तैयार रहते थे तथा ऐसे लोगों की भी कमी नहीं रहती थी, जो ऐसी कोशिशों में आग में घी डाला करते थे।

मोदी ने अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों की नकारात्मक सोच को प्रोजैक्ट करते हुये, विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला किया और कहा, "शायद 2014 से लेकर अब तक, यह पहला पार्लियामैंट सत्र है, जिसके एक-दो दिन पहले कोई विदेशी चिंगारी नहीं पकड़ी है, विदेश में से आग लगाने की कोशिश नहीं हुई है।"

जब पत्रकारों ने प्रियंका गांधी से प्रधानमंत्री के शब्दों पर उनकी प्रतिक्रिया चाही, तो कांग्रेस महासचिव ने कहा, "वे (मोदी) जनता के मुद्दों के बारे में कभी नहीं बोलते, उन्हें कभी संबोधित नहीं करते। हमने पिछले सत्र में देखा, उन्होंने बहस नहीं होने दी। इसलिये, वे तो ऐसी बातें ही कहेंगे।"

सोनिया गांधी ने एक सहज टिप्पणी की, कि राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को किये गये लम्बे संबोधन के "अंत तक बहुत थक गईं थीं।" राष्ट्रपति के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुये, सोनिया ने उन्हें "बेचारी" (पुअर थिंग) कहा। सोनिया गांधी के इन शब्दों को लेकर एक नया राजनैतिक विवाद शुरु हो गया और भाजपा की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं होने लगीं।

यद्यपि अंग्रेजी के इन शब्दों का प्रयोग प्राय: सहानुभूति व्यक्त करने के लिए किया जाता है, लेकिन भाजपा इस पर लाल-पीली हो रही है।

- प्रधानमंत्री ने कहा, "शायद 2014 से अब तक, यह पहला पार्लियामैंट का सत्र है, जिसके एक-दो दिन पहले कोई विदेशी चिंगारी नहीं पकड़ी है, विदेश में से आग लगाने की कोशिश नहीं हुई है।"
- सोनिया गांधी ने कहा कि संसद के संयुक्त अधिवेशन में अपने लंबे भाषण के अंत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बहुत थक गई थीं। सोनिया ने राष्ट्रपति के लिये "पुअर थिंग" शब्दों का उपयोग किया।
- भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने सोनिया की टिप्पणी को "गरीब-विरोधी तथा "आदिवासी-विरोधी" बताया। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इसे राष्ट्रपति का अपमान कहा। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इसे भारत की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति का अपमान बताया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रीबजट इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार, 25-26 में विकास दर कम रहेगी

पर, कैपिटल खर्च में गत वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत वृद्धि तथा बढ़ता हुआ डॉमैस्टिक कंज़प्शन आशा जगाता है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। आज जारी किया प्री-बजट इकोनॉमिक सर्वे ग्लोबल जिओ पॉलिटिक्स (वैश्विक भू-राजनीतिक) और टैक्नॉलजी में प्रगति, जिसमें ए.आई. के नवीनतम विकास शामिल हैं, के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीति प्रस्तुत करता है। जिओ-इकोनॉमिक फ्रैगमैंटेशन (भू-आर्थिक विखंडन), वैश्वीकरण की जगह ले रहा है। इसका अर्थ है वैश्विक आर्थिक संरचना का टुकड़ों में बंट जाना, जिसके तहत देशों और आर्थिक ब्लॉक्स के बीच आर्थिक रिश्ते और सहयोग पहले की तुलना में कम होते जा रहे हैं, जिससे नए आर्थिक संरचना या ढांचे बन रहे हैं।

इकोनॉमिक सर्वे भविष्य की ओर देखता है और मानता है कि ऐसे में,जबकि वर्तमान भू-राजनीतिक और वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रतिस्पर्धात्मक ब्लॉकों में विभाजित है, भारतीय अर्थव्यवस्था को इस उथल-पुथल के दौर से गुजरना होगा।

एक प्रकार से, सर्वेक्षण यह नोट करता है कि वैश्वीकरण का युग अब समाप्त हो चुका है और विभिन्न देश अपने आंतरिक बाज़ारों और उद्योगों की रक्षा के लिए अलग नीतियाँ बना रहे हैं तथा उपाय कर रहे हैं। भारत को संरक्षणवाद के इस नए युग में आगे बढ़ना होगा। भले ही व्यापार बढ़ रहा हो,

- सर्वे में एआई के आईटी सेवाओं के निर्यात पर संभावित प्रभाव का आंकलन नहीं किया गया है, जबकि इनका भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को इस नये वातावरण के अनुसार, परिवर्तन लाने पर विचार करना होगा।
- सर्वे ने इंगित किया है कि पूर्व में हुए सभी तकनीकी विकासों की तरह एआई की नई टैक्नोलॉजी में भी शार्ट टर्म में रोजगार कम होगा। पर, विविध क्षेत्रों में उत्पादन में वृद्धि हासिल करने से रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमने वास्तुविदों से सलाह ली है, इसलिए सदन में 200 सदस्य हैं'

जयपुर, 31 जनवरी। सालहवीं विधानसभा के तीसरे सत्र में 200 सदस्य मौजूद हैं। विधानसभा में 200 विधायक कभी भी एक साथ नहीं होने के संयोग को तोड़ने के लिए वास्तु का सहारा लेने का जिक्र विधानसभा में आया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पिछले दिनों कुछ

- विधानसभा के तीसरे सत्र में पूरे 200 विधायकों के एक साथ मौजूद होने के संयोग पर विधानसभा अध्यक्ष ने टिप्पणी की

सुझाव दो-तीन वास्तु वालों के मिले हैं, दो-तीन सुझाव लागू किए हैं, एक दो और बताए गए हैं। मैं सोचता हूं, 4 साल पूरे 200 के 200 सदस्य बने रहें, ऐसी मेरी अपेक्षा है।

गौरतलब है कि वास्तुविदों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राष्ट्रपति का अपमान तो भाजपा ने संसद भवन उद्घाटन व राम मंदिर में नहीं बुलाकर किया'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे व प्रियंका ने कहा कि सोनिया गांधी राष्ट्रपति का पूरा सम्मान करती हैं

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर उठे विवाद पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि गांधी और कांग्रेस किसी का अपमान नहीं करती है।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ही राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की आदिवासी राष्ट्रपति का अपमान भाजपा ने नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह में तथा राम मंदिर में रामलला को विराजमान करते समय ही कर दिया था, दोनों कार्यक्रमों में मुर्मु को आमंत्रित नहीं किया गया।

खड़गे ने कहा महामहिम राष्ट्रपति जी का अपमान तो मोदी सरकार ने उसी दिन कर दिया था जब नयी संसद के उद्घाटन समारोह में उन्हें नहीं बुलाया था। कांग्रेस या हमारे नेता कभी भी महामहिम राष्ट्रपति या किसी भी नागरिक का अपमान नहीं कर सकते हैं। ये हमारी संस्कृति नहीं है। लोकतंत्र के मंदिर और राम मंदिर - दोनों से हमारी मौजूदा राष्ट्रपति और पिछले राष्ट्रपति जी को भाजपा ने ही जान बूझकर दूर रखा था।

प्रियंका ने कहा, मेरी मां 78 साल की हैं और उन्होंने सिर्फ इतना भर कहा कि राष्ट्रपति ने इतना लंबा भाषण पढ़ा और वह थक गई होंगी, बेचारी। मेरी मां राष्ट्रपति का पूरा सम्मान करती हैं और उनकी टिप्पणी को लेकर जो कुछ कहा जा रहा है उसे तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

गौरतलब है कि गांधी की टिप्पणी पर राष्ट्रपति भवन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के, संसद के संयुक्त सदन में अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी उच्च पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आदिवासी समुदाय का अपमान करार दिया है।

- प्रियंका ने कहा, "मेरी मां ने सिर्फ इतना भर कहा कि राष्ट्रपति ने इतना लम्बा भाषण पढ़ा और वह थक गई होंगी, बेचारी। उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है।"

राज्यपाल ने डोटासरा को डांट लगाई

जयपुर, 31 जनवरी (वि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को विधानसभा में अभिभाषण के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को डांट लगा दी। दरअसल डोटासरा अभिभाषण के बीच में बार-बार खड़े होकर टोका-टाकी कर रहे थे, इस पर राज्यपाल ने भी तल्ख लहजे में जवाब दिया।

डोटासरा ने राज्यपाल की जिलेवार बैठकें करने पर तंज कसते हुए कहा कि, "सरकार तो बैठक कर नहीं रही है और आप जिलों में जाकर बैठक कर रहे हो।"

इस पर राज्यपाल बागड़े ने तीखे अंदाज में डोटासरा को जवाब देते हुए कहा, "जनजाति हितों से जुड़ी समिति मेरे विभाग में आती है और उसकी बैठक करना मेरी जिम्मेदारी है, मेरी ड्यूटी है। मैं हर जिले में जाऊंगा और वहां बैठक करूंगा।"

विधानसभा में हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब टोका-टाकी होने पर राज्यपाल ने किसी विधायक को व्यक्तिगत रूप से जवाब दिया हो।

इसके अलावा, राज्यपाल द्वारा सदन में अभिभाषण पूरा पढ़कर सुनाया जाना भी लंबे समय बाद हुआ है। पिछले कई साल से अलग-अलग कारणों से राज्यपाल के अभिभाषण पूरे नहीं पढ़े गए।

कई बार विपक्ष के हंगामे की वजह से भी अभिभाषण पूरे नहीं पढ़े गए तो कई बार राज्यपाल की तबीयत की वजह से भी अभिभाषण पढ़े हुए माने जाते रहे।

- डोटासरा, अभिभाषण के दौरान बार-बार खड़े होकर टोकाटोकी कर रहे थे।

कांग्रेस सरकार के "जल जीवन मिशन" घोटाले से राजस्थान की साख खराब हुई

राज्यपाल बागड़े ने अभिभाषण में कहा कि भजनलाल सरकार में एक भी परीक्षा का पेपरलीक नहीं हुआ

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 31 जनवरी। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विधानसभा में कहा कि "पिछली कांग्रेस सरकार में जल जीवन मिशन में हुए घोटाले के कारण राजस्थान की साख देश भर में खराब हुई। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के समय कई भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक हुए और परीक्षाओं में देरी हुई। परंतु भजनलाल सरकार ने पिछले 1 साल में पेपरलीक मामलों में 100 से ज्यादा एफ.आई.आर. दर्ज करके, 260 लोगों को गिरफ्तार किया है। साल 2025 के दौरान 81 हजार पदों पर होने वाली भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करना हमारे ठोस इरादों का प्रतीक है। हमारी सरकार में एक भी परीक्षा का पेपरलीक नहीं हुआ।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने 16वीं विधानसभा के तीसरे सत्र के प्रथम दिन करीब 1 घंटे 26 मिनट अभिभाषण पढ़ा। इस दौरान, उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार को पेपरलीक, जल जीवन मिशन घोटाले, थर्मल प्लांट्स में कोयले की कमी, राजस्थान में बिजली संकट समेत कई मुद्दों पर घेरा। इसके साथ ही, भजनलाल सरकार के पिछले 1 साल में "राम जल सेतु लिंक परियोजना," यमुना जल योजना व जल संरक्षण के लिए किये गए कार्यों को सराहा।

राज्यपाल ने कहा कि, पूर्वी राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट को सबसे पहले वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली सरकार ने शुरू किया था। दुर्भाग्य से, विगत सरकार के समय राजनीतिक लाभ के कारण इस परियोजना को अटकाया जाता रहा। हमारी सरकार ने इसे राम जल सेतु परियोजना का नाम दिया। मध्य प्रदेश के साथ इस परियोजना को लेकर एमओयू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- "पिछली कांग्रेस सरकार में राजनीतिक लाभ के लिये पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजैक्ट अटकाया जाता रहा। वर्तमान सरकार ने रामजल सेतु लिंक परियोजना के लिये 12 हजार करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति जारी कर परियोजना का कार्य शुरु कर दिया।"
- "गहलोत सरकार के वक्त प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा। हमारे थर्मल प्लांट कोयले की कमी से जूझते रहे। ऐसी विषम परिस्थितियों में हमारी सरकार ने परसा ईस्ट ब्लॉक से कोयले का खनन फिर से शुरु किया। अब हमारे थर्मल पावर प्लांट को भरभूर कोयला मिल रहा है।"

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने 16वीं विधानसभा के तीसरे सत्र के प्रथम दिन करीब 1 घंटे 26 मिनट अभिभाषण पढ़ा। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार को पेपरलीक, जल जीवन मिशन घोटाले, थर्मल प्लांट्स में कोयले की कमी, राजस्थान में बिजली संकट सहित कई मुद्दों पर घेरा।

विचार बिन्दु

किसी भी हालत में अपनी शक्ति पर अभिमान मत कर, यह बहरूपिया आसमान हर घड़ी हजारों रंग बदलता है। - हाफिज़

हमारी जिंदगानी का अहम हिस्सा बन गया है इंटरनेट

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अंतर्दृष्टि एवं परामर्श कंपनी ने हाल ही अपनी एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2025 में 90 करोड़ करोड़ के पार होने वाली है। यह इजाफा डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल से प्रेरित है। इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट-2024 के मुताबिक, भारत में एक्टिव इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की तादाद 2024 में 88.6 करोड़ तक पहुंच गई है, जो सालाना आधार पर आठ फीसदी की मजबूत वृद्धि है।

देश और दुनिया में दिन-ब-दिन इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए उपयोग में लाते थे और अब यह बड़ों से बच्चों के हाथों में पहुँच कर हमारी जिंदगानी का अभिन्न और अहम हिस्सा बन गया है। आज बिना इंटरनेट जीवन अधूरा लगता है। इंटरनेट हमारी दिनचर्या में पूरी तरह घुलमिल गया है। इंटरनेट का सबसे बड़ा फायदा यही है, कि इसकी वजह से विश्व एक परिवार बन गया है। भारत की बात करे तो आज इंटरनेट ने देश के महानगरों से होते हुए गांव गुवाड़ तक आसानी से अपनी पहुँच बना ली है। भारत में इस वर्ष इंटरनेट यूजर्स की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट पहुँच गया है। हमारे जीवन के रोजमर्रा के अधिकांश कार्य के लिए इंटरनेट पर निर्भरता को देखते हुए इस युग को इंटरनेट का युग कहा जाने लगा है। चाहे पढ़ाई हो या मनोरंजन या फिर किसी तरह का मार्गदर्शन लेना हो, सभी इसके लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। मोबाइल, कंप्यूटर से जुड़ा इंटरनेट घर बैठे दुनियाभर की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध करा देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल इंटरनेट आबादी का55 प्रतिशत हिस्सा (48.8 करोड़) ग्रामीण भारत से है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। ग्रामीण यूजर्स इंटरनेट का इस्तेमाल करने में रोज 89 मिनट बिता रहे है। जबकि, शहरों में ये आंकड़ा 94 मिनट है। रिपोर्ट के अनुसार देश के 98 प्रतिशत यूजर्स भारतीय भाषाओं में इंटरनेट का इस्तेमाल करतेहैं। इनमें से 57 प्रतिशत शहरी आबादी का हिस्सा है। डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से शहरों मे हिंदी, मराठी, तमिल, गुजराती, तेलुगु, और बंगाली भाषा का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल को इंटरनेट उपयोग में वृद्धि का अहम कारण माना गया है। भारत की इंटरनेट अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है, उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 2030 तक 1 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा। वहीं केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद ( ) में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल इंटरनेट आबादी का55 प्रतिशत हिस्सा (48.8 करोड़) ग्रामीण भारत से है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है।

इंटरनेट का मतलब है इंटरनेशनल नेटवर्क यानी पूरे विश्व के नेटवर्क को इंटरनेट करते हैं। तथा इसको हिंदी में अंतरजाल कहते हैं। एक ऐसा नेटवर्क जिसे पूरी दुनिया के कंप्यूटर आपस में एक तार से जुड़े होते हैं। या हम यह भी कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के सारे कंप्यूटर मकड़ी के जाल की तरह आपस में एक दूसरे से ही जुड़े हुए हैं। वैसे आमतौर पर आम भाषा में इसे केवल नेट करके ही बोला जाता है। इंटरेस्ट को वर्ल्ड वाइड वेब के नाम से भी जाना जाता है। वेब यानी कि इसका अर्थ तरंगों से होता है। आज देश और दुनिया के लगभग सभी घरों में ऑनलाइन पढ़ाई, खरीदारी, मनोरंजन और अन्य कामों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है।

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इससे हम घर के बाहर गए बिना ही अपना बिल जमा करना व्यापारिक लेन -देन करना सामान खरीदना आदि काम कर सकते है.अब ये हमारे जीवन का खास हिस्सा बन चुका है। यहाँ तक की खाने पीने का सामान भी इंटरनेट से मंगाते है। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों में इंटरनेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

परन्तु जहां एक तरफ इंटरनेट हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरनेट के अत्याधिक इस्तेमाल से यह नुक्सान दायक साबित हो रहा है। इंटरनेट ज्ञान का खजाना है यह कहते हम थकते नहीं है। निश्चय ही यह हमारी जिंदगी में एक वरदान बनकर आया है मगर इसके दुरूपयोग ने हमें उजाले से अँधेरे में धकेलते देर नहीं लगायी यह भी एक सच्चाई है। पोर्न फिल्मे इंटरनेट की देन है। आज का युवा ज्ञान के स्थान पर अश्लीलता के अंधे कूप में गिर रहा है। यह सोचने और विचारने की बात है। इंटरनेट क्रांति ने सूचना तकनीक के क्षेत्र में जहाँ नए आयाम स्थापित किये है वहां इसके दुष्परिणामों से भी दो दो हाथ करने पड़ रहे है। विशेषकर पढ़ने वाले बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। उनका बचपन और शैक्षिक जीवन इंटरनेट के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों से सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है उसने छात्रों की जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद और पढाई का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा।शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है।आवश्यकता इस बात की है की हम नए जमाने को अपनाने के साथ उसकी बुराइयों पर भी निगाह रखे ताकि बचपन को गुमराह होने से बचाया जा सके।

अतिथि संपादक
बालमुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

शनिवार राशिफल 1 फरवरी 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, तृतीय तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2081, पूर्वा भाद्रप्रद नक्षत्र रात्रि 3.33 तक, परिद्य योग दिन 12.24 तक, गरकरण दिन 11.39 तक चन्द्रमा रात्रि 8.58 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा। आज गौरी तृतीया तिथि, विनायक चतुरथी, वरद और कुंद चतुरथी, तिल चौथ पंचक है।

श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ 8.33 से 9.58 तक, चट 12.40 से 2.01 तक, लाभ-अमृत 2.01 से 4.43 तक।
राहुकाल - 9.00 से 10.30 तक, सूर्योदय 7.16 सूर्यास्त 6.04

मेष
आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाऐं बडेगी।

सिंह
व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता-सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा सम्भव है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यो के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता हो सकती है। आज समय रचनात्मक और आवश्यक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाऐं बडेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं। परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में सहयोग मिल सकता है।

मीन
पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। अर्नगल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

लोगों की घटती सेविंग और क़र्ज़ का बढ़ता बोझ : हो सकती है NBFC और बैंकों के लिए खतरे की घंटी?

सुनील दत्त गोयल

पिछले कुछ वर्षों में भारत में एक नया दौर शुरू हुआ है, जहाँ सभी बैंकों के डिपॉजिट्स में तेजी से गिरावट आ रही है। इसकी एक प्रमुख वजह यह है कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का सेल्स डिपार्टमेंट बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। उन्हें वहाँ अच्छा कमीशन मिलता है, और वे फ्रीलांस आधार पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, वे घर-घर जाकर sip (मासिक, तिमाही या साप्ताहिक) के जरिए निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे निवेशकों के खाते से ऑटोमेटिक डेबिट के माध्यम से धन एकत्र होता रहता है। यही कारण है कि भारत अब एक "सेविंग कंट्री" से "इन्वेस्टिंग कंट्री" की ओर बढ़ रहा है।

हालांकि, इसका एक बड़ा नुकसान यह है कि जब बैंकों में डिपॉजिट्स, विशेष रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट्स, कम होंगे, तो बैंक व्यापार और उद्योगों को ऋण (लोन) कहाँ से देंगे? बैंकों का मुख्य लाभ जमा (डिपॉजिट) और ऋण (लोन) के बीच के अंतर से आता है। यदि बैंकों के पास पर्याप्त जमा नहीं होंगे, तो उनकी देनदारी (लायबिलिटी) कम होगी और संपत्ति (एसेट्स) भी नहीं बढ़ेगी। बैंकों की बैलेंस शीट में डिपॉजिट उनकी लायबिलिटी होती है, जबकि ऋण (लोन) उनकी एसेट्स होती हैं। वर्तमान में यह अनुपात तेजी से खराब हो रहा है।

एक अन्य कारण यह भी है कि पिछले कुछ वर्षों, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद, कई कंपनियाँ खुद को डेट-फ्री बनाने की दिशा में बढ़ी हैं। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने अपने बकाया ऋण तेजी से चुकता कर दिए, जिससे बैंकों के पास उधार लेने वाले ग्राहकों की संख्या घट गई। अब न तो बड़े उद्योग बैंक ऋण लेने आ रहे हैं और न ही छोटे व्यवसाय, क्योंकि उनके पास पूंजी जुटाने के अन्य कई स्रोत उपलब्ध हैं, जैसे विदेशी संस्थागत निवेशक (FLII), स्टार्टअप फंडिंग, वेंचर कैपिटल, एंजल इन्वेस्टर्स, विदेशी ADR/GDR IP एडीआर/जीडीआर, बॉन्ड्स आदि। इन विकल्पों के चलते बैंकिंग सेक्टर की लेंडिंग में भारी गिरावट आई है।

बचत में गिरावट: भारतीय परिवारों की वित्तीय स्थिति पर संकट के बादल :-भारतीय परिवारों की बचत दर 2022-23 में जीडीपी के मात्र 18.4 प्रतिशत तक सिमट गई, जबकि 2013 से 2022 के बीच यह औसतन 20 प्रतिशत थी। घरेलू बचत में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जहां 2023 में यह 28.5 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले दशक में इसका औसत 40 प्रतिशत था। इसी तरह, 2013-2022 के दौरान लोग अपनी आय का औसतन 8 प्रतिशत बचाते थे, लेकिन 2023 में यह घटकर सिर्फ 5.3 प्रतिशत रह गया।

लोगों पर बढ़ता कर्ज और डिफॉल्ट का खतरा :-आरबीआई की फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार, 50 से अधिक पर्सनल लोन धारक एक साथ तीन या अधिक लोन की किश्तें भर रहे हैं, जिससे डिफॉल्ट का जोखिम बढ़ गया है। एनबीएफसी और स्मॉल फाइनेंस बैंकों से पर्सनल और कंज्यूमर लोन लेने वाले आधे से अधिक लोगों ने बीते छह वर्षों में तीन या उससे अधिक लोन लिए हैं। चिंताजनक बात यह है कि कई लोग पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया लोन ले रहे हैं, जिससे वित्तीय अस्थिरता बढ़ती जा रही है।

छोटे लोनधारकों पर बढ़ता दबाव : 50,000 से कम के पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को वसूली के दौरान प्रताड़ना और दुर्व्यवहार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी मानसिक और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक खतरनाक परिणाम यह हुआ कि बैंकों ने NBFCs (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) को बड़े पैमाने पर ऋण देना शुरू कर दिया, जिससे उनकी खुद की लोन बुक ठीक बनी रहे।

हालांकि NBFCs, की फंडिंग में एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि कई NBFC कंपनियों की ऋण वसूली (रिकवरी) संदेहास्पद है। जब किसी सेक्टर में बड़े पैमाने पर कर्ज दिया जाता है, तो राजनीतिक हस्तक्षेप, क्षेत्रवाद और जातिवाद जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं, जिससे ऋण वसूली मुश्किल हो जाती है। आने वाले समय में यह स्थिति NBFCs के लिए संकटपूर्ण साबित हो सकती है। बैंक, बिना किसी सख्त नीति के, NBFCs को ऋण दे रहे हैं, जो गलत है। RBI ने इस पर पहले भी कई बार चेतावनी दी है कि NBFCs को पुनर्वित्त (रिफाइनेंसिंग) करने में सावधानी बरती जाए और उनके लिए एक निश्चित प्रतिशत से अधिक का जोखिम (एक्सपोज़र) न लिया जाए। परंतु, अधिकांश बैंक इन दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। यदि यह स्थिति बनी रही, तो NBFCs में बढ़ता NPA (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) बैंकिंग सेक्टर के लिए एक गंभीर खतरा बन सकता है।

यदि बैंक और NBFCs इस तरह काम करते रहे, तो एक नया वित्तीय संकट खड़ा हो सकता है, जैसा कि पाँच साल पहले भारतीय बैंकिंग सेक्टर में बढ़ते NPA की वजह से हुआ था। यदि NBFCs डूबने लगें, तो यह बैंकों के लिए भी एक चक्रव्यूह बन जाएगा, जिससे अंततः बैंकिंग सिस्टम भी अस्थिर हो सकता है।

इस स्थिति में सरकार और RBI को तुरंत सख्त नियम लागू करने की आवश्यकता है। NBFCs और बैंकों दोनों पर कड़े नियंत्रण की जरूरत है, क्योंकि इनमें जनता का पैसा लगा हुआ है। यदि यह पैसा डूबा, तो अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। मेरा सुझाव है कि सरकार को नए NBFC लाइसेंस जारी करने पर तुरंत रोक लगानी चाहिए और वर्तमान में कार्यरत NBFCs की सघन जाँच करनी चाहिए। विशेष रूप से, एनपीए की स्थिति की फॉरेंसिक ऑडिट के माध्यम से समीक्षा की जानी चाहिए। यदि कोई NBFC IPO(पब्लिक इश्यू) लेकर आ रही है, तो उनकी लोन क्वालिटी और रिकवरी क्षमता की गहन जाँच होनी चाहिए, ताकि वे भविष्य में DHFL जैसी स्थिति में न पहुँच जाएं। मैं न तो बैंकों के खिलाफ हूँ और न ही NBFCs के खिलाफ। मेरा उद्देश्य केवल व्यापार और उद्योग जगत के हित में सरकार को सचेत करना है, ताकि जो गलतियाँ हो रही हैं, उन्हें सुधारा जा सके। सरकार से मेरी अपील है कि इस स्थिति पर पूरा ध्यान दे और बैंकिंग व NBFC सेक्टर को एक सख्त और व्यवस्थित ढाँचे में लाए।

धन्यवाद,
सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान

भीमसर का मुस्लिम युवा गांव-गांव जाकर दे रहा स्वामी विवेकानंद का संदेश

डॉ. जुल्फिकार ने अब तक राजस्थान में 56439 युवाओं तक विवेकानंद का संदेश पहुंचाया

झुंझुनूं, (निसं)। युवाओं के आदर्श कहे जाने वाले स्वामी विवेकानंद के विचारों से भीमसर का मुस्लिम युवा इस तरह प्रभावित हुआ कि उसने स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी ही नहीं की, बल्कि उन पर पांच पुस्तकें लिखकर उनके विचारों को गांव-गांव में युवाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य बनाते हुए रोज गांव-ढाणियों में जाकर युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों के बारे में युवाओं को जानकारी दे रहा है।

भीमसर गांव के रहने वाले शोधकर्ता डॉ. जुल्फिकार स्वामी विवेकानंद के विचारों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद न केवल स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी की बल्कि जीवनभर के लिए उनके विचार अपना लिए हैं। पिछले पांच साल से राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक बड़ा लक्ष्य रखते हुए प्रदेशभर में स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और उनके संदेश को व्यापक बनाने के लिए प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, शहरों व गांवों में स्वामी विवेकानंद के संदेश लिखे कैलेंडर निशुल्क वितरित कर रहे हैं। डॉ. जुल्फिकार ना केवल स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं, बल्कि पिछले कई सालों से स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। राजस्थान में इस बार 10 हजार युवाओं को नये वर्ष का स्वामी विवेकानंद कैलेंडर-2025 निशुल्क वितरित किया जा रहा है, जिसमें से अब तक प्रदेश के कई जिलों सहित झुंझुनूं, भीमसर, जाबासर, नूआं, धंधूरी, क्यामसर सहित कई गांवों में अब तक 6439 निशुल्क विवेकानंद कैलेंडर वितरित कर चुके हैं। इससे पहले भी पांच सालों में दिल्ली सहित प्रदेशभर में अलवर, जयपुर, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ सहित अन्य जिलों के साथ-साथ झुंझुनूं के राजकीय-गैर राजकीय विद्यालयों, वेद विद्यालयों, मदरसों, महाविद्यालयों व विश्व विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को देने के साथ करीब 35 गांवों में 50 हजार विवेकानंद कैलेंडर निशुल्क वितरित कर चुके हैं। उनका लक्ष्य एक लाख युवाओं तक स्वामीजी के संदेश को पहुंचाने का है। 2025 का यह विवेकानंद कैलेंडर युवाओं को अपनी शक्ति पहचानने और उनको नई ऊर्जा से काम करने के लिए प्रेरित करता है।

शोधकर्ता डॉ. जुल्फिकार विद्यालयों, वेद विद्यालयों, मदरसों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को विवेकानंद कैलेंडर निशुल्क देते हैं।

- **डॉ. जुल्फिकार ने स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी ही नहीं की, बल्कि पांच पुस्तकें भी लिखी है**

राजस्थान प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा कल, तैयारियां पूरी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा 2 फरवरी को प्रथम पारी में दोपहर 12 से 3 बजे तक आयोजित होगी। प्रदेश भर में 2045 परीक्षा केंद्रों पर करीब 6 लाख 75 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि परीक्षा 38 जिला मुख्यालयों और 49 उपखंडों में यह परीक्षा आयोजित होगी।

- **2045 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा**

प्रदेशभर में कुल 87 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अजमेर जिला मुख्यालय में 127 परीक्षा केंद्रों पर 43 हजार 77 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। जिले के 102 केंद्र अजमेर शहर में, 11 किशनगढ़ में और 14 केकड़ी में बनाए गए हैं। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। प्रवेश सुबह 11 बजे तक ही दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को रंगीन प्रिंट वाला मूल आधार कार्ड लाना होगा। यदि आधार कार्ड की फोटो अस्पष्ट हो, तो अन्य मूल फोटो पहचान पत्र भी मान्य होगा।

जोधपुर में तीन दिवसीय मुद्रा प्रदर्शनी शुरू

जोधपुर, (कासं)। मारवाड़ कॉइन सोसाइटी की तरफ से तीन दिवसीय मारवाड़ मुद्रा महोत्सव शुक्रवार को माहेश्वरी जनोपयोगी भवन रातानाडा में शुरू हुआ। यह प्रदर्शनी दो फरवरी तक चलेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने फीता काटकर किया।

मारवाड़ कॉइन सोसाइटी जोधपुर अध्यक्ष रामस्वरूप विश्नोई ने बताया कि पहली बार जोधपुर में सोसाइटी की ओर से इस तरह का मुद्रा महोत्सव आयोजित किया गया है। इसमें शहरवासियों के लिए निशुल्क एंट्री रखी गई है। सुबह दस से शाम पांच बजे तक शहरवासी यहां आकर मुद्रा प्रदर्शनी को देख सकते हैं।

इसमें पुराने रियासतकालीन सिक्के, मुगलकालीन, अंग्रेजी सरकार के समय से लेकर दो से पांच हजार साल पहले के सिक्के देखने के लिए रखे गए हैं। इसमें देशभर से मुद्रा कलेक्शन करने वाले करीब लोग शामिल हुए हैं।

राहगीर, वाहन चालक एवं छात्र-छात्रायें गंदे पानी में से निकलने को मजबूर

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में रेलवे फाटक के पास लंबे समय से वार्ड नंबर 33, 34, 35 का नालियों का गंदा पानी रेलवे लाइन के नीचे से होकर प्रजापति भवन बालाजी मंदिर के पास इकट्ठा हो रहा है। समस्या को लेकर वार्ड के पार्षद पवन प्रजापत ने अनेक बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसको लेकर शुक्रवार को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कुंदन देथा से वार्ड के लोगों ने समस्या को लेकर अवगत कराया। जिस पर नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता भरत गौड़ ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया, जिसको लेकर वार्ड के लोगों को संतोषजनक जवाब नहीं देने के कारण वार्ड के लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

समस्या को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया।

वार्ड पार्षद पवन प्रजापत पार्षद प्रतिनिधि दीपाराम जाट, पार्षद राकेश प्रजापत, भाजपा नगर अध्यक्ष विष्णु प्रजापत के भाई जगदीश प्रजापत आदि ने बताया कि नगर पालिका का पूरा तंत्र फेल है ये कस्बे का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से अनेकों राहगीर, वाहन चालक एवं स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा श्मशान घाट जाने के लिए यह मुख्य मार्ग है जहां पर मजबूरन लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है जिससे उनको भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही वार्ड के प्रमुख मांगीलाल प्रजापत ने बताया कि नगर पालिका को बार-बार अवगत कराने के बावजूद किसी और ध्यान नहीं दिया जाता। कस्बे की सबसे मुख्य मांग है जिसको नगर पालिका दरकिनार कर रही है। साथ ही वार्ड पार्षद पवन प्रजापत ने बताया कि अगर प्रशासन समय देते हुए इस समस्या की ओर ध्यान नहीं देता है तो आने वाले समय में नगर पालिका के खिलाफ जमकर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेवारी नगर पालिका की होगी। वही रेलवे विभाग को इसके बारे में वार्ड के लोगों ने अवगत कराया तो उन्होंने कहा नगर पालिका को हमने अनेकों बार नोटिस दे दिया है लेकिन नगर पालिका किसी तरह का कोई ध्यान नहीं दे रही है। वहीं रेलवे लाइन के नीचे से गंदा पानी जाने के कारण रेलवे को भी कभी भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है एवं जिस जगह पर पानी इकट्ठा होता है वह रेलवे की भूमि है लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

- **गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की**
- **पालिका के अधिशासी अधिकारी को वार्ड के लोगों ने समस्या के बारे में बताया**

सार-समाचार

मादक पदार्थ के दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने दो अलग-अलग मामलों में कार्यवाही करते हुए एक मामले में अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित तस्कर को गिरफ्तार किया वहीं दूसरे मामले में एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि शहर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन नश्वर अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए ही एक व्यक्ति को डिटेन कर उसके पास से स्मैक बरामद की पुलिस ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए छावनी रामचंद्रपुरा निवासी राकेश उर्फ पंकज भारती (27) को अवैध पदक पदार्थ स्मैक सहित गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपों से अनुसंधान जारी है। वहीं गुमानपुरा थाना अधिकारी ने बताया कि दूसरे मामले में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस एक्ट मे वांछित चल रहे 2000 के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए चंद्रघटा निवासी आफाक उर्फ बंटी (36) को गिरफ्तार किया है पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

जनसुनवाई 6, 13 व 20 फरवरी को

कोटा, (निसं)। आमजन की समस्याओं की सुनवाई, त्वरित समाधान एवं नागरिकों को सुशासन उपलब्ध कराने के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई की व्यवस्था की गई है। इस संबंध में ग्राम पंचायत, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर क्रमशः 6, 13 व 20 फरवरी को जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई 6 फरवरी को समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालय या ग्राम पंचायत द्वारा चिन्हित जनसुनवाई स्थल पर आयोजित की जाएगी। उपखंड स्तरीय जनसुनवाई 13 फरवरी को पंचायत समिति या उपखण्ड अधिकारी द्वारा चिन्हित जनसुनवाई स्थल पर तथा जिला स्तरीय जनसुनवाई 20 फरवरी को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में पंचायत समिति सुल्तानपुर की ग्राम पंचायत डूंगरज्या में 11 फरवरी को रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में लाड़पुरा की ग्राम पंचायत गिरधरपुरा (डोल्या) में 18 फरवरी को एवं सुल्तानपुर की ग्राम पंचायत जालिमपुरा में 25 फरवरी को रात्रि चौपाल एवं जनसनुवाई आयोजित की जाएगी।

शिविर में 103 रोगी लाभांवित

कोटा, (निसं)। मोतियाबिंद के रोगियो के लिए लायंस क्लब कोटा के द्वारा नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन निरंतर जारी है। लायंस क्लब कोटा द्वारा आयोजित निशुल्क नैत्र शल्य चिकित्सा शिविर लांयस क्लब भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष प्रमोद विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर के रजिस्ट्रेशन कार्य 28 जनवरी से प्रारंभ किया गया था। जिसमें 225 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया। बीपी, शुगर अन्य बिमारी के चलते 103 नेत्र रोगियो को ऑपरेशन कर शुक्रवार को उन्हे काले चश्मे सौपे गऐं। कार्यक्रम में केईडीएल के टेक्निकल हेड अन्नामित्रो डाली मुख्य अतिथि रहे। उन्होने नेत्र रोगियों को काले चश्में पहनाएं। शिविर प्रभारी अशोक नुवाल ने बताया कि सभी ऑपरेशन डॉ. विशाल स्नेही ने सभी मरीजो का ऑपरेशन आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से किया गया और मरीजो को लेंस प्रत्यारोपित किए। इस अवसर सचिव वीरेन्द्र विजय,क्बल सदस्य अशोक नुवाल, अरुण तुलसियान, राम मदनानी, पवन पारेता, विनोद अजवानी उपस्थित रहे।

निःशुल्क शिविर कल

कोटा, (निसं)। अफिनिटी हॉस्पिटल, तलवंडी चौराहा द्वारा वसंत पंचमी के अवसर पर एक शुरूआत की जा रही है, इसमें रविवार को नए मरीजों के लिए एक निःशुल्क कैंप का आयोजन किया जाएगा। डॉ.नीना विजयवर्गीय, मनोचिकित्सक एवं काउंसलर, एमबीबीएस, डीपीएम (साइकेट्री), एमआईपीएस ने बताया कि बहुत से लोग मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से परेशान तो रहते हैं, लेकिन वित्तीय रूप से कमजोर होने की वजह से परामर्श नहीं ले पाते हैं, जिससे बीमारी का समय रहते इलाज नहीं हो पाता और बीमारी दिन प्रतिदिन बढ़ती जाती है। इसीलिए इस कैंप का उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग आएं और अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक कदम बढ़ाएं। इस कैंप में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में नए मरीजों के लिए निशुल्क परामर्श, निःशुल्क ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की जांच शामिल होंगी

आठ ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मादक पदार्थ की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलायें जा रहे अभियान के तहत चेचट पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए मादक पदार्थ आठ ग्राम स्मैक के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उपअधीक्षक घनश्याम मीणा के सुपरविजन मे उपनिरीक्षक थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने मय जाप्त इलाके में नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से मादक पदार्थ आठ ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए इंटर कॉलोनी चेचट निवासी कालू कबाड़ी उर्फ मोईन (47) को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

लिफ्ट में फंसी महिलाओं व बच्चों को सुरक्षित निकाला

कोटा, (निसं)। पुलिस कंट्रोल रूम पर गुरूवार देर रात्रि को खड़े गणेश मंदिर के समीप बनी धर्मशाला की लिफ्ट में महिलाओं व बच्चों के फंसे होने सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। सूचना पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर मैकेनिक को बुलाकर लिफ्ट में फंसे बच्चों एवं महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस कंट्रोल रूम के एएसआई दिनेश त्यागी ने बताया कि एक महिला ने पंडित आशाधर धर्मशाला में बच्चों व महिलाओं के फंसने की सूचना दी थी जिस पर संबंधित थाने की पुलिस टीम को सूचना दी गई, और संबंधित थाने की पुलिस टीम ने मौके पर मैकेनिक को बुलाकर बच्चों व महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला।

कोटा में हॉस्टल, पीजी पंजीकरण की तिथि 7 फरवरी तक बढ़ाई

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों एवं कामयाब कोटा अभियान के तहत कोचिंग क्षेत्र के सभी हॉस्टल, पीजी संचालकों को अपने संस्थानों का पंजीकरण ऑनलाइन इस लिंक पर अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए गए हैं। पहले यह तिथि 31 जनवरी तक निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 7 फरवरी कर दिया गया है। अभियान के तहत अब तक कुल 3101 पंजीकरण किए जा चुके हैं, जिनमें 1619 हॉस्टल और 999 पीजी शामिल हैं। साथ ही, 483 अनुपयोगी प्रविष्टियों (जंक) की पहचान की गई है। पंजीकरण नहीं कराने वाले हॉस्टल, पीजी संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। दिए गए लिंक पर जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन पूरा करें।

पॉलिसी वितरण कार्यक्रम आज से

कोटा, (निसं)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अन्तर्गत रबी 2024-25 में पॉलिसी वितरण कार्यक्रम "मेरी पॉलिसी मेरे हाथ" जिले एग्रीकल्चर इंश्योरेन्स कम्पनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड के द्वारा सम्पूर्ण ग्राम पंचायत स्तर पर पॉलिसी वितरण कार्यक्रम 1 फरवरी से 15 मार्च तक कार्यक्रम जारी किया गया है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार ने बताया कि जिले के कृषक जिन्होंने रबी 2024-25 में फसल बीमा करवाया है उनसे अपील की है कि ग्राम पंचायत पर कार्यरत कृषि पर्यवेक्षक, बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर नियत की गई तिथि को ग्राम पंचायत में जाकर अपना पहचान पत्र दिखाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसल बीमा पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं।

नए अध्यक्ष का स्वागत किया

छबड़ा (निसं)। गुर्जर धर्मशाला में जीकेएकेपी की बैठक संभाग अध्यक्ष छीतरलाल कसाना के सानिध्य में संपन्न हुई। बैठक में नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र गुर्जर का सभी सदस्यों ने माला पहनाकर स्वागत किया और यहां सभी ने संगठित रूप से समाज उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया ताकि समाज शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक रूप से उन्नित प्राप्त कर सके। बैठक में गिर्राज गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष वीर गुर्जर महासभा, तहसील संयोजक उमेश गुर्जर, ओमप्रकाश, डॉ हरिसिंह, गंगाधर, प्रकाशचंद्र, प्रेमचंद धनोरिया, रवि गोचर आदि मौजूद रहे।

छबड़ा थर्मल में निजीकरण के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली

छबड़ा (निसं)। थर्मल में पिछले 104 दिनों से चल रहे ज्वाइंट वेंचर के विरोध प्रदर्शन का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है परंतु, सरकार ओर विद्युत प्रशाशन आंख मूंद कर बैठे है।

चंडीगढ़ ओर उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में हो रहे बिजली के निजीकरण के खिलाफ 31 जनवरी को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया गया ओर आक्रोश रैली निकाली गई, इसी के चलते छबड़ा थर्मल की संयुक्त संघर्ष समिति ने भी देश व्यापी विरोध प्रदर्शन में अपनी भूमिका निभाई ओर छबड़ा थर्मल आवासीय कॉलोनी से प्लांट के मुख्य द्वार तक रैली निकालते हुए जमकर नारेबाजी की और निजीकरण खत्म करने की चेतावनी सरकार को दी।

छबड़ा थर्मल में निजीकरण के खिलाफ आक्रोश जताया।

छबड़ा थर्मल की संघर्ष समिति के संयोजक ने बताया कि 20 दिसंबर 2024 को जयपुर स्थित विद्युत भवन कर हुए एक दिवसीय महापड़ाव के बाद ऊर्जा सचिव ने आश्वासन दिया था कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में थर्मल की संघर्ष समिति को वार्ता के लिए बुलाया जाएगा, परंतु अभी तक किसी भी प्रकार की वार्ता नहीं की गई है जो कि प्रशासन की तरफ से धोखेबाजी और गलत मंशा को दर्शाता है। हाल ही में गणतंत्र दिवस के मौके पर छबड़ा थर्मल पावर प्लांट को राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन ग्रह का उत्कृष्टता पत्र उत्पादन निगम के सीएमडी देवेंद्र श्रृंगी द्वारा दिया गया। जिसके बाद थर्मल की संघर्ष समिति का कहना है कि विद्युत प्रशाशन ओर सरकार बताए कि एक तरफ तो छबड़ा थर्मल को सर्वश्रेष्ठ बताया जा रहा है ओर वही दूसरी ओर सबसे पहले इसी प्लांट का ज्वाइंट वेंचर के नाम पर निजीकरण क्यों किया जा रहा है। पूरे विद्युत उत्पादन निगम के सभी पावर प्लांटों में चल रहा निजीकरण विरोधी आंदोलन आने वाले विधानसभा सत्र में भी चर्चा का विषय बनने वाला है। सरकार को अब बताना पड़ेगा कि क्यों वो अपने सबसे सस्ती बिजली बनाने वाले छबडा थर्मल प्लांट को ज्वाइंट वेंचर के नाम पर बेच रही है।

एक माह तक लहसुन की नीलामी बंद

छबड़ा (निसं)। बाहर दिसावर में पुराने लहसुन का उठाव नहीं होने के कारण छबड़ा कृषि उपज मंडी के लहसुन व्यापारियों द्वारा 3 फरवरी से दो मार्च तक लहसुन की नीलामी बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए उक्त एक माह की अवधि के दौरान कृषक छबड़ा मंडी में लहसुन लेकर नहीं आए।

राजमाता माधवी राजे सिंधिया की जयंती मनाई

कोटा, (निसं)। महाराज माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माताजी कैलाशवासी माधवी राजे सिंधिया की जयंती पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजली दी।

जानकारी देते हुए महाराज माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी कोटा के अध्यक्ष इंद्रमोहन सिंह हनी ने बताया इस अवसर पर माधवराव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने शुक्रवार को छावनी चौराहे स्थित माधवराव सिंधिया पार्क में राजमाता की फोटो पर माल्यार्पण कर अपने अपने विचार रखे।

सदस्यों ने राजमाता के लड़कियों की पढ़ाई में योगदान के बारे में चर्चा की, उन्होंने हमेशा ग्वालियर संभाग व जनता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर मुख्य रूप से गजेन्द्र ठाकुर, अश्पाक हुसैन, राजू वर्मा, कैलाश जोशी, मनोज धोभी, राजकुमार मीणा, लोकेश तिवारी, गौरव तिवारी, यकीन खान आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज महाकुंभ के दौरान कोटा के नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय का अनूठा सेवा कार्य

कोटा, (निसं)। पवित्र संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान सुवि नेत्र चिकित्सालय, कोटा के नेत्र सर्जन डॉ.सुरेश पाण्डेय ने न केवल संगम तट पर स्नान कर महाकुंभ के भव्य आयोजन का हिस्सा बने, बल्कि 27 और 28 जनवरी को नेत्र महाकुंभ के तहत 300 से अधिक नेत्र रोगियों को निःशुल्क परामर्श और उपचार प्रदान किया। इन नेत्र रोगियों में देश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालु, उनके परिजन और संत महात्मा आदि शामिल थे। डॉ.सुरेश पाण्डेय ने जरूरतमंदों को निःशुल्क आई ड्रॉप्स वितरित की, और कई मरीजों को उनके नेत्र समस्याओं का समाधान प्रदान किया। इस कार्य में मनीष दुबे और सुवि नेत्र चिकित्सालय कोटा के गोविन्द शर्मा ने उनका सहयोग किया। डॉ.पाण्डेय ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ के दौरान नेत्र महाकुंभ का भी आयोजन रखा गया था। जिसमें देशभर से आये अनेकों नेत्र चिकित्सकों द्वारा श्रृद्धालुओं एवं संत महात्माओं को निःशुल्क परामर्श दिया जा रहा था। परामर्श लेने आए अधिकांश रोगियों में नेत्र एलर्जी, दृष्टि दोष, ड्राई आई, और मोतियाबिंद जैसी समस्याएं देखी गई। दृष्टि दोष से पीड़ित रोगियों

कोटा के नेत्र सर्जन डॉ.सुरेश पाण्डेय ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान नेत्र रोगियों की जांच की।

का उपचार चश्मे के माध्यम से किया गया, जबकि नेत्र एलर्जी और ड्राई आई जैसी समस्याओं के लिए निःशुल्क आई ड्रॉप प्रदान की गई। डॉ.पाण्डेय ने महाकुम्भ परिसर में आनंदलोक अस्पताल, कोलकाता द्वारा संचालित रमेश गोयल सेवा संस्थान की मोबाईल चिकित्सा इकाई का भी उपयोग किया गया, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से नेत्र रोगियों का परामर्श और उपचार किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ में डॉ.सुरेश पाण्डेय ने कुंभ में स्वामी कैलाश आनन्द गिरी महाराज, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण से भी मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने अपनी चर्चित पुस्तक 'एक आई सर्जन की डायरी' भेंट की। इस दौरान डॉ.सुरेश पाण्डेय और उनकी टीम ने अनेकों साधु-महात्माओं एवं नागा साधुओं के दर्शन किया एवं उनसे आशीर्वाद लिया व पीड़ित साधुओं का निःशुल्क नेत्र उपचार किया।

कलेक्टर का छात्राओं से संवाद

कोटा, (निसं)। 'कामयाब कोटा' अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी शुक्रवार को राजीव गांधी नगर स्थित लक्ष्मी निवास गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे और कोचिंग छात्राओं के साथ डिनर करते हुए उनसे संवाद किया। छात्राओं ने उनसे पढ़ाई में आने वाली समस्याओं एवं तैयारी के बारे में प्रश्न पूछे। डॉ.गोस्वामी ने बड़ी सहजता के साथ स्वयं के उदाहरण देते हुए उनकी शंकाओं एवं जिज्ञासाओं के समाधान प्रस्तुत किए। साथ ही, सफलता के मंत्र भी दिए। शंकाएं, समस्याएं और नकारात्मकता सहज प्रवृत्तियां हैं लेकिन सकारात्मकता से विजय पा सकते हैं।

डीआरएम ने कोटा-नागदा खण्ड पर संरक्षा निरीक्षण किया

कोटा मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने निरीक्षण किया।

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने 31 जनवरी को कोटा-नागदा खण्ड का संरक्षा विन्डो ट्रेलिंग एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संरक्षा मानकों, प्वांट्स, ट्रेनों के संचालन से संबंधित स्टेशन मास्टर पैनल, संरक्षा अनुदेशों की अनुपालना की जाँच की। डीआरएम ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के सभी नियमों एवं अनुदेशों की सख्त अनुपालना के निर्देश दिए। साथ ही कोटा-विक्रमगढ़ आलोट खण्ड पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशनों रामगंजमंडी 18.62 करोड़, भवानी मंडी 25.69 करोड़ एवं शामगढ़ 19.20 करोड़ की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यो की प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लिया। वर्तमान में रामगंजमंडी में 59 प्रतिशत, भवानी मंडी 63 प्रतिशत एवं शामगढ़ 71 प्रतिशत कार्य प्रगति है। डीआरएम ने स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य को गुणवत्ता मानकों के साथ तीव्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्टेशन कायाकल्प होने पर यात्रियों को उन्नत सुविधाओं का लाभ एवं आर्थिक गतिविधियों के साथ पर्यटन में इजाफा होगा। इस दौरान डीआरएम के साथ सहायक वाणिज्य प्रबंधक अमित वर्मा, सहायक परिचालन प्रबंधक जेएस सोहल, सहायक विद्युत इंजीनियर, सहायक मंडल इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

इस नोटिस के माध्यम से, हमारे फ्रेंचाइजी डीलरशिप समुदाय, ग्राहकों के साथ-साथ संबंधित लोगों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि **मेसर्स महेन्द्रा एसोसिएट** श्री लाल चंद महेन्द्रा के माध्यम से, जिनका अंतिम ज्ञात पता-पी नं -ए-3-1, 80 फीट लिंक विस्टार लिंक रोड, फुखराज ऑरा के सामने, कोटा, राजस्थान 324001 है, जो महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स लिमिटेड (जिसे आगे "**कंपनी**" कहा जाएगा) के पूर्व फ्रेंचाइजी डीलर थे, को 15 मार्च 2024 के कारोबारी घंटों के अंत से तत्काल प्रभाव से अपनी अधिकृत फ्रेंचाइजी डीलरशिप से हटाया गया है।

आम जनता को सावधान किया जाता है की **मेसर्स महेन्द्रा एसोसिएट** के पास कंपनी के किसी भी ट्रेडमार्क/ब्रांड नाम का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है, न ही यह "**महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स**" और "**कार एंड बाइक**" के ब्रांड के तहत कोई व्यवसाय कर सकता है और/या कंपनी की ओर से कोई धन प्राप्त कर सकता है। आम जनता को सावधान किया जाता है कि वे **मेसर्स महेन्द्रा एसोसिएट** के साथ कोई भी वित्तीय लेनदेन न करें, यह मानने के बाद कि उन्हें कंपनी के ट्रेड मार्क / ब्रांड नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया गया है।

मेसर्स महेन्द्रा एसोसिएट के साथ काम करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा। कंपनी किसी भी तरह से **मेसर्स महेन्द्रा एसोसिएट** के ऐसे अनधिकृत और गैरकानूनी कार्यों के लिए ज़िम्मेदार नहीं होगी।

आदेश द्वारा
महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स लिमिटेड
पंजीकृत पता - गेटवे बिल्डिंग, अपोलो बंदर, मुंबई - 400 001, महाराष्ट्र

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम जेनुद्दीन अली बोहरा से बदलकर नया नाम जेनुद्दीन अली रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-जेनुद्दीन अली पुत्र अब्बास अली बोहरा सरकारी हास्पीटल के सामने बपावर रोड सांगोद कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम तसनीम अली से बदलकर नया नाम तसनीम रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-तसनीम पत्नी जेनुद्दीन अली सरकारी हास्पीटल के सामने बपावर रोड सांगोद कोटा

विधिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुरेन्द्र पंकज पुत्र श्री बजरंग लाल निवासी-मानसरोवर बस्ती रायपुरा कोटा द्वारा जगदीश प्रसाद सेन पुत्र बिरधीलाल सेन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक दुकान जिसकी पैमायश 42 वर्गफीट वाके गोरधनपुरा, जिला कोटा का क्रय किया जा रहा है। यह कि उक्त दुकान जगदीश प्रसाद सेन द्वारा जगदीश प्रसाद तंवर पुत्र श्री किशन लाल तंवर से जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 01.12.2010 से किया था।
यह कि उक्त सम्पत्ति को मेरे पक्षकार सुरेन्द्र पंकज द्वारा क्रय करके एवं उसे एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक शाखा घोड़े वाले बाबा सर्किल कोटा द्वारा रहन रखकर ऋण देने के संबंध में यदि किसी आम व्यक्ति, बैंक, संस्था या अन्य किसी भी व्यक्ति को भी किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता को 7 दिवस के भीतर सूचित कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
अजय शर्मा एडवोकेट
पता-मकान नं. 1031, 1032, सुभाष नगर द्वितीय, कोटा (राज.)
मो. 7073030526, 8239229798

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-2085 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांक:-31.1.2025
नगर विकास न्यास कोटा की जनरल मर्चेन्ट एसोसियेशन जे.पी. मार्केट योजना के भूखंड/आवास संख्या 160 का आवंटन/हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 01.10.2004 को मै. एलाउस एजेंसी प्रो. उमेश चंद श्रीमाल को किया गया था। आवंटी की मृत्यु दिनांक 31.03.2024 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी के विधिक वारिसान हकदार द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आई.डी., रिलीज डीड इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 160 योजना जनरल मर्चेन्ट एसोसियेशन जे.पी. मार्केट का नाम हस्तान्तरण श्री संजय श्रीमाल पुत्र स्व. श्री उमेश चंद श्रीमाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

यात्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा पोस्ट बोक्स नं.- 07, जी. पी. ओ.-नयापुरा, कोटा- 324001 (राज.)
No. : 15( ) /MAF/Estt./Kota/2024-25/968 — Date :- 30/01/2025
OPEN TENDER NOTICE
Sealed tenders are invited from the manufacturer/authorized dealers/registered suppliers and company of repute for Supply of Broad Bed Furrow, Mini Thresher and Power Weeder at Mechanized Agriculture Farm, Ummedganj, Kota of approximate cost Rs. 5.00 lakhs. The tender form can be obtained from the office during office hours by depositing tender form fee of Rs. 500/- from dated 30.01.2025 up to 06.02.2025 at 11.00 AM. Completely filled tender form in two parts (Technical and Financial bid) must be deposited on or before 06.02.2025 at 01:00 PM along with earnest money (Rs. 10,000/-) @ 2% of approximate tender cost. Received tender will be opened on 06.02.2025 at 02:00 PM before the available bidder. Tender form can also be downloaded from the university website **http://aukota.org** or **http://sppp.rajasthan.gov.in.** Incase tender form downloaded from website, it must require separate deposit of Rs. 500/- as tender form fee, otherwise tender will not be considered.
UBN No. : AUK2425GSOB00132, NIB Code : AUK2425A0089
Raj.Samwad/C/24/11133 — Officer Incharge

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक:-LU2012/KOT/2024-25/100878 — **लोक सूचना** — दिनांक:-31.01.2025
श्रीमती HEMLATA KHANDELWAL पत्नी श्री NARENDRA KHANDELWAL जाति MAHJAN निवासी D-15 BALLABHBARI GUMANPURA KOTA NEW DHANMANDI KOTA LADPURA RAJASTHAN ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कुन्हाडी लाडपुरा (कोटा)	HEMLATA KHANDELWAL W/O NARENDRA KHANDELWAL HI PURNA CASTE-MAHAJAN RESI,D-15 BALLABHBARI KOTA KHATEDAR	66	6200	0.62
2.	कुन्हाडी लाडपुरा (कोटा)	HEMLATA KHANDELWAL W/O NARENDRA KHANDELWAL HI PURNA CASTE-MAHAJAN RESIDENCE,D-15 BALLABHBARI KOTA KHATEDAR	66/419	7300	0.73
				कुल	1.35

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 31.01.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/3201 — विज्ञप्ति — दिनांक:-21.1.2025
सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम सोगरिया में स्थित कृषि भूमि योजना दुर्गा नगर/पूनम कालोनी खसरा नं. 341 के भूखंड संख्या 102 ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में श्री कुलदीप सोनी पुत्र श्री कल्याण प्रसाद निवासी 104, दुर्गा नगर 2 सोगरिया पूनम कालोनी खेडली फाटक कोटा राज. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 396 दिनांक 20.09.2016 द्वारा श्री रमेश चन्द पुत्र श्री मिठ्ठू लाल के नाम जारी किया गया था। पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखंड का बेचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 09.08.2019 को श्रीमती रजनी सोनी पत्नी श्री नवरतन सोनी को किया गया था। क्रेता द्वारा नाम हस्तान्तरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करे बिना जाना स्माल फाईनेंस बैंक से ऋण लिया गया। ऋण का भुगतान नहीं करने के कारण बैंक द्वारा उक्त भूखंड को कुर्क कर आवेदक कुलदीप सोनी को जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 10.08.2023 को बैचान किया गया है।
अत: श्री कुलदीप सोनी पुत्र श्री कल्याण प्रसाद के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ11 विक्रय/2025/755 — विज्ञप्ति — दिनांक:- 31.1.2025
नगर विकास न्यास कोटा की योजना विवेकानन्द नगर आवास संख्या 639 को आवंटन/न्यास के पत्र क्रमांक 216 दिनांक 31.03.2001 को श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री नन्द लाल को आवंटन किया गया था। उक्त भूखंड की विक्रय स्वीकृति जर्ये मुख्तारआम श्री मोहन प्रकाश पारीक पुत्र श्री जगन्नाथ द्वारा कोटा विकास प्राधिकरण कोटा से चाही जा रही है।
अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि इस विक्रय स्वीकृति में किसी को कोई एतराज या आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 639 योजना विवेकानन्द नगर की विक्रय स्वीकृति श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री नन्द लाल जर्ये मुख्तारआम श्री मोहन प्रकाश पारीक पुत्र श्री जगन्नाथ के नाम जारी कर दी जायेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-2079 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांक:-30.1.2025
नगर विकास न्यास कोटा की ट्रांसपोर्ट नगर व्यवसायिक योजना के भूखंड/आवास संख्या 428 का आवंटन/हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 11.05.2001 को मै. धूरी ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्रो. श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री सागर मल को किया गया था। आवंटी मै. धूरी ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्रो. श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री सागर मल द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 19.03.2024 को श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव एवं श्री धीरज सचदेव पुत्र श्री बसंत सचदेव को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता श्री बसंत सचदेव की मृत्यु दिनांक 13.11.2024 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी से विधिक वारिसान हकदार द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आई.डी., रिलीज डीड इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 428 योजना ट्रांसपोर्ट नगर व्यवसायिक का नाम हस्तान्तरण श्री धीरज कुमार सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-2078 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांक:-30.1.2025
नगर विकास न्यास कोटा की ट्रांसपोर्ट नगर व्यवसायिक योजना के भूखंड/आवास संख्या 427 का आवंटन/हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 11.05.2001 को मै. गिल रोड केरियर प्रो. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री चन्द सिंह को किया गया था। आवंटी मै. गिल रोड केरियर प्रो. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री चन्द सिंह द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 15.06.2004 को श्री बसंत सचदेव पुत्र श्री भीष्मराज सचदेव को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता की मृत्यु दिनांक 13.11.2024 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी से विधिक वारिसान हकदार द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आई.डी., रिलीज डीड इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 427 योजना ट्रांसपोर्ट नगर व्यवसायिक का नाम हस्तान्तरण श्री धीरज कुमार सचदेव पुत्र स्व. श्री बसंत सचदेव के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-1873 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांक:-30.1.2025
नगर विकास न्यास कोटा की टैगोर नगर आवासीय भूखंड योजना के भूखंड/आवास संख्या 124 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 19.08.2005 को श्रीमती संगीता जैन पत्नी श्री सुरेश कुमार जैन को आवंटन किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री भरत वाधवानी पुत्र श्री ओमप्रकाश वाधवानी एवं श्री खुशीराम जेठवानी पुत्र श्री मनसुख दास द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 08.05.2023 को श्री दीपक राज दुबे पुत्र श्री सज्जन राज दुबे को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 124 योजना टैगोर नगर आवासीय भूखंड का नाम हस्तान्तरण श्री दीपक राज दुबे पुत्र श्री सज्जन राज दुबे के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-1871 — नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना — दिनांक:-30.1.2025
कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की विनोबा भावे नगर निर्धन को आंगन योजना के भूखंड/आवास संख्या 1420 का आवंटन/रजि./हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 07.07.2010 को श्रीमती कस्तुरी बाई पत्नी श्री कन्हैया लाल को किया गया था। आवंटी की मृत्यु दिनांक 14.06.2020 को हो चुकी है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में श्री माणकचंद कसोटिया के नाम वसीयत निष्पादित कर रखी थी। मृत्यु उपरांत विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयत नामा, शपथ पत्र, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास का अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 1420 योजना विनोबा भावे नगर निर्धन को आंगन का नाम हस्तान्तरण श्री माणकचंद कसोटिया पुत्र श्री कन्हैया लाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/3126 — विज्ञप्ति — दिनांक:-13.1.2025
सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम रामपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना आर.के. नगर भूखंड संख्या 75 खसरा नं. 597 आवेदक/आवेदिका श्री मुकीमउद्दीन पुत्र श्री मरहूम मतीनउद्दीन निवासी 75 आर.के. नगर पुलिस लाईन बारां रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 3503 दिनांक 22.02.2005 को श्री साबीर हुसैन पुत्र श्री अब्दुल लतीफ के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 26.05.2008 को जर्ये मुख्तारआम श्री अब्दुल लतीफ पुत्र श्री मोहम्मद युसुफ अंसारी द्वारा ओमवती शर्मा पत्नी श्री रामावतार शर्मा को किया गया। जिसका नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 91-92 दिनांक 16.04.2010 को जारी किया गया। नामहस्तान्तरी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 03.05.2010 को मतीनउद्दीन पुत्र श्री अहसनउद्दीन को किया गया। जिसका नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 520-22 दिनांक 11.06.2010 से जारी किया गया। मतीन उद्दीन की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 26.11.2010 तथा माता सगीरा बेगम की मृत्यु दिनांक 02.05.2021 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान पुत्र मुकीमउद्दीन, पुत्री रजिया बेगम, रुबीना खान, जरीना, शाइस्ता है। वारिसान रजिया बेगम, रुबीना खान, जरीना, शाइस्ता द्वारा जं. हकत्याग पत्र दिनांक 15.06.2023 को आवेदक के पक्ष में किया गया है।
अत: श्री मुकीमउद्दीन पुत्र श्री मरहूम मतीनउद्दीन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)
क्रमांक/ननिकोद/जोन प्रथम/भ.नि.अनु./2025/16501 — दिनांक: 31.1.25
स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजू कपिल पत्नी श्री धनराज भारतीया (पुत्री स्व. श्री प्रताप सिंह) निवासी अहीर मोहल्ला हॉस्पीटल के पीछे शाहबाद केलवाड़ा जिला बारां राज., श्री राकेश कुमार पुत्र स्व. श्री प्रताप सिंह निवासी डी 10 नागनेची जी स्कीम बीकानेर नर्सिंग होम के पास बीकानेर राज. एवं श्रीमती मंजुला पत्नी श्री अशोक भारतीया (पुत्री स्व. श्री प्रताप सिंह) निवासी ए 704 मिरचंदानी गार्डन आयरिस बिल्डिंग सनसिटी वसई, वेस्ट ठाणे, महाराष्ट्र ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 447 ए तलवण्डी कोटा क्षेत्रफल 1480 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 447 ए तलवण्डी कोटा क्षेत्रफल 1480 वर्गफुट का आवंटन नगर विकास न्यास कोटा द्वारा श्री प्रताप सिंह को किया गया। जिसकी रजिस्ट्री प्रताप सिंह जी के नाम पंजिबद्ध है। श्री प्रताप सिंह का उक्त मकान/प्लाट पर अपने जीवन काल से मालिकाना हक व अधिकार चला आ रहा है। श्री प्रताप सिंह जी का देहावसान दिनांक 27.04.2022 को हो चुका है एवं श्रीमती गंगा देवी पत्नी स्व. श्री प्रताप सिंह का देहावसान दिनांक 14.04.2005 को हो चुका है।
उक्त मकान/प्लाट पर उपरोक्त आवेदकों का बहैसियत वारिस के संयुक्त रुप से मालिकाना हक व अधिकार चला आ रहा है। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के आवेदित भाग का नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।
उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)
क्रमांक/ननिकोद/जोन प्रथम/भ.नि.अनु./2025/16502 — दिनांक: 31.1.25
स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुभाष अरोड़ा आत्मज स्व. श्री भगवान दास निवासी मकान नं. 111 शोपिंग सेन्टर कोटा राज. ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 111 शोपिंग सेन्टर कोटा क्षेत्रफल 720 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 111 शोपिंग सेन्टर कोटा क्षेत्रफल 720 वर्गफुट का क्रय श्री भगवान दास अरोड़ा ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से दिव्या संघर्षी पुत्री श्री इन्दरलाल, पत्नी कपिल संघर्षी से किया था। जिसके विक्रय पत्र का पंजियन उप पंजियक कार्यालय कोटा में दिनांक 21.01.2016 को पंजीबद्ध है। श्री भगवान दास अरोड़ा का उक्त मकान/प्लाट पर अपने जीवनकाल से मालिकाना हक व अधिकार चला आ रहा है। श्री भगवान दास अरोड़ा का देहावसान दिनांक 20.03.2020 को हो चुका है। श्री भगवान दास अरोड़ा ने अपने जीवनकाल में ही उक्त प्लाट/मकान की वसीयत श्री सुभाष अरोड़ा आत्मज स्व. श्री भगवान दास अरोड़ा के पक्ष में कर दी है। जिसका वसीयतनामा उप पंजियक कार्यालय कोटा में दिनांक 05.02.2016 को पंजीबद्ध है। उक्त मकान/प्लाट पर आवेदक का बहैसियत वारिस के मालिकाना हक व अधिकार चला आ रहा है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के आवेदित भाग का नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।
उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

जलदाय विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर युवक से ठगी

अनपढ़ युवक के बैंक खाते व आधार कार्ड का इस्तेमाल कर ठगों ने 2.83 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की

- **पीड़ित को पता तब चला जब महाराष्ट्र पुलिस ने फोन कर साइबर फ्रॉड का मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी**

श्रीगंगानगर, (निसं)। जलदाय विभाग में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक अनपढ़ युवक से बैंक खाता लेकर 2 करोड़ 83 लाख रुपए की साइबर ठगी में दुरुपयोग का मामला सामने आया है। पीड़ित को पता तब चला जब महाराष्ट्र पुलिस ने फोन कर साइबर फ्रॉड का मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी। पीड़ित को बैंक ने भी फोन कर बुलाया। पीड़ित को बैंक मैनेजर ने बताया तो वह घबरा गया। इसके बाद पीड़ित ने सदर, साइबर थाना और आखिर में एसपी को परिवाद दिया। एसपी के आदेश से पुरानी आबादी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। इसकी जांच हैड कांस्टेबल कमलेश मीणा को सौंपी गई है।

जांच अधिकारी के अनुसार आरोपी सुखवंत सिनेमा के निकट निवासी वीरेंद्र पुत्र मिश्रीलाल और जवाहरनगर निवासी रोहित गोयल के खिलाफ साइबर ठगी व धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। मामले में पीड़ित 3 बी निवासी 20 वर्षीय रमेशकुमार भाट पुत्र मंगतराम को आरोपी वीरेंद्र ने जलदाय विभाग में नौकरी लगवाने का प्रलोभन देकर उससे आधार कार्ड, बैंक अकाउंट आदि ले लिए। यह बैंक अकाउंट सेविंग था, इसलिए इसमें ट्रांजेक्शन लिमिट के कारण आरोपी ने पीड़ित को फिर से बुलाकर जेसीटी मिल की एसबीआई शाखा में करंट अकाउंट खुलवाया। इस बैंक अकाउंट की पास बुक, चेक बुक, एटीएम कार्ड आरोपी ने अपने पास रख लिए। खाते की देशभर के 95 पीड़ितों ने करवा रखी है साइबर शिकायत जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल कमलेश मीणा ने बताया कि पीड़ित के इस एसबीआई के करंट अकाउंट की देशभर के 95 लोगों की ओर से साइबर शिकायत विभिन्न थानों में और टोल फ्री नंबर 1930 पर दर्ज करवा रखी है। बैंक की स्टेटमेंट लेने के बाद पता चलेगा कि इस करंट खाते में आई 2 करोड़ 82 लाख 95 हजार 422 रुपए की रकम कितने लोगों के खातों से ट्रांसफर हुई है।

जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल कमलेश मीणा ने बताया कि 2 मई से 8 अक्टूबर 2024 तक 5 माह के दौरान इस खाते में इतना अधिक ट्रांजेक्शन हुआ। महाराष्ट्र पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में इसे 8 अक्टूबर को फ्रीज करवा दिया। अकाउंट का अटैच नंबर आरोपी वीरेंद्र का दिया हुआ था। महाराष्ट्र पुलिस ने उसे ही मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी तो आरोपी ने गलत नंबर बताया। महाराष्ट्र पुलिस ने बैंक मैनेजर को फोन किया। मैनेजर ने पीड़ित को बुलाकर सारी बात बताई। रमेश भाट जिसके खाते का दुरुपयोग हुआ। आरोपी वीरेंद्र ने इस बैंक अकाउंट को आगे साइबर फ्रॉड करने वाले जवाहरनगर निवासी रोहित गोयल को बेच दिया। इस बैंक खाते में 2 मई से 8 अक्टूबर 2024 तक की अवधि में 2 करोड़ 82 लाख 95 हजार 422 रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपी वीरेंद्र को पुलिस ने तत्काल ही शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी रोहित गोयल गायब हो गया है। उसकी तलाश से आगे मामले का खुलासा होगा कि इस चेन में कौन-कौन शामिल हैं।

पीड़ित रमेश भाट ने पुलिस परिवाद में बताया कि वह अनपढ़ है और गांव में मजदूरी करके जीवन यापन करता है। उसके कमर में दर्द था। उसे किसी ने बताया कि पुरानी आबादी में सुखवंत सिनेमा के निकट रविंद्र उर्फ वीरेंद्र नाम का युवक है जो कमर दर्द का देसी तरीके से इलाज करता है। पीड़ित उसके पास इलाज करवाने पहुंचा। बातचीत में आरोपी ने पीड़ित से कामकाज के बारे में पूछा। इसके बाद उसने कहा कि वह उसे जलदाय विभाग में हेल्पर की पक्की नौकरी लगवा देगा। उसकी बातों पर विश्वास कर पीड़ित ने उसे अपनी बैंक पासबुक, आधार कार्ड आदि दस्तावेज असली सौंप दिए। कुछ दिन बाद ही आरोपी ने नया बैंक अकाउंट खुलवाने को कहा। उसने पीड़ित को साथ ले जाकर जेसीटी मिल के निकट एसबीआई की शाखा में उसका करंट अकाउंट खुलवा दिया। इसकी पासबुक, चेकबुक, एटीएम आरोपी ने अपने पास रख लिए।

अकाउंट में अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड करवा दिया। इसके बाद खाते में रुपए आते और आरोपी निकालकर इस्तेमाल करते रहे। पीड़ित रमेश भाट ने बताया कि बैंक अकाउंट फ्रीज किए जाने के बाद उसे अपने साथ हुए धोखे की जानकारी मिली। उसने आरोपी वीरेंद्र से बात की तो उसने धक्के देकर भगा दिया और गालियां भी दी। फिर पीड़ित ने अपने गांव में परिचित को बताया। परिवाद सदर थाने में दिया। वहां से साइबर थाने भेज दिया। दोबारा परिवाद लिखवाकर साइबर थाने में दिया, लेकिन उन्होंने मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद एसपी को परिवाद दिया। एसपी ने पुरानी आबादी थाने को 9 दिसंबर को पत्र लिखकर मामले की प्रारंभिक जांच करने को कहा। प्रारंभिक जांच में पीड़ित की साइबर फ्रॉड में भूमिका सामने नहीं आई। इसकी रिपोर्ट पर अब 29 जनवरी को मुकदमा दर्ज किया गया है।

60 लाख की अवैध शराब बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण की ओसियां थाना पुलिस ने अवैध शराब को लेकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक ट्रक से 830 कार्टून अवैध शराब बरामद की है। पंजाब निर्मित अवैध शराब की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 60 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से एक ट्रक को भी बरामद किया गया है। वहीं आरोपी से अवैध शराब तस्करी को लेकर पूछताछ की जा रही है। ग्रामीण एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि ओसियां थाना पुलिस की ओर से अवैध शराब तस्करी को लेकर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक को रुकवाया गया। पूछताछ में ड्राइवर ने ट्रक में आलू के कट्टे होना बताया। शक होने पर ट्रक की तलाशी ली गई। इस दौरान ट्रक के अंदर अवैध शराब मिली। ट्रक में कुल 830 कार्टून भरे थे। इस पर मामला दर्ज कर आरोपी किशोर कुमार पुत्र चूनाराम जाट निवासी दीनगढ़ आलमसर, पुलिस थाना धनाऊ, जिला बाड़मेर को गिरफ्तार किया गया।

3900 किलो मादक पदार्थ नष्ट किया

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिला पुलिस द्वारा एनडीपीएस प्रकरणों में पकड़े गए अवैध मादक पदार्थ निस्तारण के लिए चलाए गए अभियान के तहत 129 मामलों के जब्त करीब 3900 किलो ड्रग सामग्री नष्ट की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव ने यह जानकारी दी।

सायबर ठग गिरोह को खाता उपलब्ध कराने वाले गिरोह से जुड़े चार आरोपी छात्र गिरफ्तार

- **सायबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराते थे आरोपी छात्र, चार मोबाइल जप्त**
- **पुलिस चारों आरोपियों के मोबाइल ट्रांजैक्शन को खंगाल रही है, इनमें करोड़ों रुपए की चैट मिली**

अजमेर, (कासं)। फर्जी खाते खुलवाकर साइबर ठग गिरोह को खाता उपलब्ध करवाने वाले गिरोह से जुड़े चार आरोपी छात्रों को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस चारों आरोपियों के मोबाइल ट्रांजैक्शन को खंगाल रही है। इन चारों आरोपियों से पुलिस को करोड़ों रुपए की चैट मिली है, हालांकि साइबर थाना पुलिस विश्लेषण में जुटी है।

जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व ही साइबर थाना पुलिस ने इसी गिरोह के चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने शुक्रवार को कार्यवाही करते हुए अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना पुलिस सभी 8 आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ में जुटी है।

आईपीएस गोपीनाथ शरण कांबले ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार 4 आरोपियों से पूछताछ के बाद गिरोह में शामिल सुभाष नगर भीलवाड़ा निवासी शुभम सिंह, शुभम खटीक, ललित सिंह और हर्षित सिंह को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से चार मोबाइल बरामद किए गए हैं। यह सभी आरोपी भी कमीशन पर अकाउंट खोलकर साइबर ठगों तक अकाउंट्स व सिम कार्ड बेचा करते थे। निचले लोगों को करीब 4 से 5 हजार का कमीशन देकर उनके डॉक्यूमेंट से अकाउंट और सिम कार्ड खुलवाकर आगे भेजते थे।

पांच करोड़ से ज्यादा की चैट मिली :-आईपीएस श्रवण कांबले ने बताया कि गिरफ्तार चारों अन्य आरोपियों की कॉल डिटेल्स और ट्रांजैक्शन सहित चैट्स खंगाली जा रही है। इनमें से एक आरोपी की चैट में 5 करोड़ से ज्यादा की चैट मिली है। हालांकि इसे लेकर विश्लेषण किया जा रहा है। यह सभी 4 आरोपी पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से 1 साल से कांटेक्ट में थे। सभी आपस में एक दूसरे को अकाउंट्स बेचने का काम करते थे। बाद में उन अकाउंट्स को आगे साइबर ठगी और अन्य गतिविधियों के लिए भेजा जाता था। आरोपियों के मोबाइल नंबर भी साइबर ठगी से जुड़े हुए हैं। साइबर थाना पुलिस की जांच में यह सामने आया कि पकड़े जा रहे आरोपी सभी पढ़े लिखे हैं। गिरफ्तार शुभम सिंह बीए कर रखा है। शुभम खटीक 10वीं पास है। हर्षित सिंह 12जी पास तो वहीं ललित बीसीए पास है।

आरोपियों ने अलग-अलग बैंक में खुलवाए खाते :-आईपीएस श्रवण कांबले ने बताया कि हर अकाउंट की आरोपियों के द्वारा अलग कीमत रखी जाती थी। जिस अकाउंट में जितना बड़ा ट्रांजैक्शन होता है उस अकाउंट की कीमत सबसे ज्यादा होती है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि कोऑपरेटिव अकाउंट को यह सभी आरोपी 4 लाख रुपए में बेचा करते थे। सेविंग अकाउंट 50 हजार तो वहीं करंट अकाउंट को दो से तीन लाख रुपए में बेचा करते थे। इन चारों आरोपियों ने खुद के नाम पर भी 5 से 6 अकाउंट अलग-अलग बैंक में खुला रखे थे।

प्राचार्य व कम्प्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार

- **बीएड के ऑफलाईन फार्म जमा करवाने की एवज में यूनिवर्सिटी के नाम से परिवादी से पांच हजार रूपये रिश्वत मांगी**

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर. ए.सी.बी. चौकी हनुमानगढ़ ईकाई ने डॉ. रामावतार प्राचार्य श्री बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन व करण कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को पांच हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी हनुमानगढ़ को एक शिकायत इस आशय की मिली कि आरोपी प्राचार्य रामावतार द्वारा बीएड के ऑफलाईन फार्म जमा करवाने की एवज में यूनिवर्सिटी के नाम से परिवादी से पांच हजार रूपये रिश्वत की मांग परेशान कर रहा था। जिस पर एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेश सिह के सुपरविजन में ए.सी. बी. हनुमानगढ़ के पवन कुमार मीणा अति. पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शालू बिश्नोई पुलिस निरीक्षक ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी डॉ. रामावतार प्राचार्य, श्री बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन ने रिश्वत श्री करण कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को दिलवाये जिसने रिश्वत राशि पांच हजार रूपये कार्यालय कक्ष में मेज पर रखी पुस्तक व फाईल के बीच में छिपाकर रख दिये, जहां से बरामद कर आरोपी डॉ. रामावतार व करण कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

खेत में की जा रही अफीम की खेती पर पुलिस का छापा

- **खेत से अफीम के 20000 पौधे किए जप्त, आरोपी गिरफ्तार**
- **अफीम की खेती करके बाजार में बेचने वाला था आरोपी**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिले के मौलासर थाना क्षेत्र के एक खेत में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी, जिसका पुलिस ने खुलासा करते हुए अफीम के 20000 पौधे जब्त किये है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नशे की वस्तुओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली थी कि मौलासर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की फसल बोई गई है, जिसे बाजार में बेचे जाने की योजना है। इस पर थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इस टीम ने खेत पर छापा मारा, जहां से आरोपी मानाराम को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में 2400 वर्गफुट में अफीम की खेती पाई गई। इस दौरान पुलिस ने मौके से अफीम के 20000 पौधे जब्त किए, जिन्हें आरोपी बाजार में बेचने वाला था पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कारों में भिड़ंत, एक की मौत

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में हुए एक सड़क हादसे में एक की मौत हो गई। स्पीड में कार डिवाइडर पार करते हुए सामने से आ रही दूसरी कार से जा टकराई। घटना जिले के गंगाशहर थाना क्षेत्र में शाम 4:30 बजे नोखा रोड की है। हादसा एसबीआई बैंक के सामने हुआ। इस टक्कर में 7 लोग घायल हो गए। हादसा इतना दर्दनाक था कि दो कारों की टक्कर होते ही तेज आवाज आई। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने कार सवारों को बाहर निकाला और हॉस्पिटल भिजवाया। जानकारी के अनुसार हादसे के दौरान मारूति कार काफी स्पीड में थी। ये पूरा हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वीडियो में भी साफ नजर आ रहा है कि मारूति स्पीड में अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गई और सामने से आ रही इनोवा कार से टकरा गई। हादसे में गंगाशहर निवासी जितेंद्र स्वामी पुत्र पुखराज की मौत हो गई।

स्कूल विलय पर उच्च न्यायालय की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश विनित कुमार माथुर ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गिन्नाणी पंवारसर का विलय सीनियर सैकेण्डर स्कूल, गिन्नाणी पंवारसर में होने के 16 जनवरी के आदेश पर आगामी रोक लगा दी है।

बीकानेर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गिन्नाणी पंवारसर में अध्ययनरत् बच्चों के परिजन मुकेश, शायरा व केशर ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर के 16 जनवरी के आदेश को उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से प्रस्तुत की। अधिवक्ता बोहरा का उच्च न्यायालय के समक्ष यह तर्क था कि प्रथमतया इस विद्यालय के भवन में मात्र पांच ही कक्षाकक्ष है। इनमें पहली कक्षा से बारहवी कक्षा के बच्चों को किस प्रकार से बैठाया जायेगा व दूसरा तर्क यह था कि राज्य सरकार के नियमानुसार न्यून प्रवेश वाले विद्यालय का ज्यादा प्रवेश वाले विद्यालय में विलय किया जायेगा, जबकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय में गिन्नाणी पंवारसर में 116 विद्यार्थी अध्ययनरत् है एवं राजकीय सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय गिन्नाणी पंवारसर में मात्र 102 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। इसलिए प्राथमिक विद्यालय का सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय, गिन्नाणी पंवारसर में विलय नियम विरूद्ध है। प्रार्थी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने निर्देशक माध्यमिक शिक्षा के विलय आदेश पर आगामी तारीख पेशी तक रोक लगाते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जबाब तलब किया है।

पॉक्सो अधिनियम में अभियुक्त को बरी किया

अजमेर, (कासं)। विशिष्ट न्यायालय (पॉक्सो अधिनियम) संख्या-2, अजमेर रंजन सिंह की अदालत द्वारा प्रकरण सरकार बनाम भागचंद में अभियुक्त भागचंद गुर्जर को सभी आरोपों से बरी किया गया।

प्रकरण में भागचंद पर कथित पीड़िता का अपहरण करके अहमदाबाद ले जाकर ढाई महीनों तक निरंतर बलात्संग करने का आरोप था। एडवोकेट डॉ. दीपक मूलचंदानी ने बताया कि प्रकरण में अभियुक्त की निर्लिप्तता और उसके निर्दोष होने के समस्त साक्ष्यों को परिलक्षित करने में सुलभता के लिए बचाव पक्ष के अधिवक्ता द्वारा अंतिम बहस में सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के नवीनतम न्यायिक दृष्टान्त प्रस्तुत किए। न्यायालय ने अपने निर्णय में कथन किया कि अभियोजन वक्त घटना पीड़िता की आयु 18 वर्ष से कम की होना साबित करने में असफल रहा है और न्यायालय ने यह भी माना कि अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य के समग्र अवलोकन से अभियोजन की कहानी पर युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न होता है। ऐसे में विसंगतिपूर्ण कथनों एवं साक्ष्यों के प्रकाश में अभियुक्त पर किसी प्रकार का आरोप साबित नहीं होता है और संदेह का लाभ देते हुए उसे बरी किया गया। आरोपी की ओर से पैरवी अधिवक्ता डॉ. दीपक मूलचंदानी व नितीश दाधीच एडवोकेट की ओर से की गई।

ऑनलाइन जॉब का झांसा देकर लाखों की ठगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर में युवक-युवतियों को ऑनलाइन जॉब दिलवाने का झांसा देकर शातिर ठगों ने लाखों रुपए की धोखाधड़ी कर रकम हड़प ली। पीड़ितों ने शुक्रवार को एसपी वंदिता राणा से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की कर रकम दिलाने की मांग की।

एसपी वंदिता राणा को सौंपे ज्ञापन में पीड़ित उदयगंज निवासी माधुरी सांवरिया ने बताया कि सूरज नामक युवक ने उसे और उसके मित्र पवन से संपर्क किया और ऑनलाइन जॉब दिलवाने का भरोसा दिलाया। इसके बदले सूरज ने प्रत्येक व्यक्ति से साढ़े 12 हजार रुपए का टोकन अमाउंट लिया और ढाई हजार रुपए कंसल्टेंसी फीस के रूप में वसूल किए। इसके बाद सूरज ने पीड़ितों से 37 हजार 500 रुपए और लिए थे। समय बीतने के बावजूद जॉब नहीं मिलने पर पीड़ितों ने सूरज से संपर्क किया, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। बाद में आरोपी ने पीड़ितों को फर्जी कंपनी में इंटरव्यू दिलवाकर और फर्जी डॉक्यूमेंट तैयार करवा कर उन्हें और पैसे देने के लिए मजबूर किया।

पीड़ितों ने बताया कि आरोपी शातिर ठग ने हर व्यक्ति को 35 से 40 हजार रुपए प्रति माह सैलरी का झांसा दिया था। पीड़ितों ने बताया कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद वे आरोपी के घर गए और उसकी मां को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद आरोपी की मां ने कुछ पैसे लौटा दिए। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी ने उनके दस्तावेजों का गलत तरीके से उपयोग कर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया।

सायबर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार : जुरहरा में स्थानीय थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्राम बमनवाडी-सहसन की नहर की पटरी पर सायबर ठगी कर रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने हैदर अली पुत्र कमालुद्दीन निवासी ग्राम रायपुरी थाना नूंह सदर जिला नूंह हरियाणा, इखलाख पुत्र उस्मान मेव निवासी ग्राम सराय खटैला थाना मुण्डकटी जिला पलवल हरियाणा व मलकीतसिंह पुत्र गुरमेज सिंह निवासी ग्राम सहसन थाना जुरहरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 फर्जी मोबाइल फोन, 4 फर्जी सिम कार्ड, 3 एटीएम कार्ड तथा सायबर ठगी के अपराध में प्रयुक्त एक क्रेटा गाडी जब्त की है। जुरहरा थानाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी हैदरअली की इत्तला पर सायबर ठगी से कमाये गये 45,050 रूपये भी बरामद किये गये हैं। थाना अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनसे पूछताछ कर जांच की जा रही है।

The Rajasthan Small Industries Corporation Ltd.
Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005 Phone: 0141-2227267 * Fax 0141-2227257
Website: industries.rajasthan.gov.in/rajsco *e-mail: rajsico@rajasthan.gov.in
CIN:- U91110RJ1961SGC001118

ई-निविदा सूचना

निगम में संविदा पर (आउट सोर्स) कर्मी उपलब्ध कराने हेतु एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिष्ठित एजेन्सियों से द्वि-प्रकर्मी मोहर बन्द ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्रस्तुत की जावेगी। निविदा प्रपत्र eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। अन्य विवरण एवं जानकारी निगम की Website: industries.rajasthan.gov.in/rajsico, eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर प्राप्त कर सकते है। UBN No.: RSI2425SLOB00041

राज.संवाद/सी/24/11136 वरिष्ठ लेखाधिकारी (कार्मिक)

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा/2024-25/ई -31 दिनांक :- 31.01.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 31/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 108.48 लाख के कुल 09 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 31.01.2024 एवं अंतिम तिथि 10.02.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 11.02.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2425WSOB00179

राज.संवाद/सी/24/11109 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)
फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768,2428739

दिनांक :- 30/01/2025

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 15/2024-25 UBN No. MML2425GLOB00195	गिरल लिग्नाइट खदान, बाडमेर (राजस्थान) पर 100 MT क्षमता वाले वे-ब्रिज की आपूर्ति, स्थापना, कमिशनिंग एवं परीक्षण हेतु। अनुमानित मात्रा - 1, धरोहर राशि (रु. में) 90,000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com / www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा उप महाप्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/11079 उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)
E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239

क्रमांक:-न0पा0सा0/2025/262 दिनांक:-29.01.2025

ई-निविदा-सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 261 दिनांक 29.01.2025 के द्वारा कुल 7 कार्य की अनुमानित लागत 39.65 लाख की विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.	Work No.	UBN No.
1	DLB2425WSOB15826	5	DLB2425WSOB15831
2	DLB2425WSOB15827	6	DLB2425WSOB15832
3	DLB2425WSOB15829	7	DLB2425WSOB15834
4	DLB2425WSOB15830		

राज.संवाद/सी/24/11071 प्रशासक नगरपालिका सांगोद अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत-बीकानेर
फोन-0151-2226454 ई-मेल- sephedbkn@gmail.com

क्रमांक-एस.ई.बी./अंके-II/24-25/10425 दिनांक-16.01.2025

निविदा सूचना संख्या 03 से 12/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबंद लिफाफें में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा एकल लिफाफा पद्धति के अनुसार होगी। इस कार्य का निविदा प्रपत्र इस कार्यालय द्वारा दिनांक 20.01.2025 दोपहर 11.00 बजे से दिनांक 13.02.2025 शाम 6.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 14.02.2025 को 11.00 बजे उपस्थित निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र शुल्क एवं धरोहर राशि ई-चालनान के रूप में निविदा प्रपत्र में वर्णित पक्ष में देय हो, जमा करानी होगी। निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट www.sppp.govt.in व https://eproc.rajasthan.gov.in/ से डाउनलोड किये जा सकते है। शर्त सहित निविदा मान्य नहीं होगी। डाक द्वारा प्रस्तुत निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।

जल सीमित है, इसकी बचत करें

(बलवीर सिंह) अधीक्षण अभियंता
DIPR/C/1059/2025 जन. स्वा. अभि. विभाग, वृत्त-बीकानेर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-3156-57 दिनांक-23.01.2025

Notice Inviting Bid-69 to 78/2024-25

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 01.02.2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 273.17 lacs.

NIT No.	69	70	71	72	73
UBN NO.	PHE2425 WSOB08487	PHE2425 WSOB08489	PHE2425 WSOB08491	PHE2425 WSOB08493	PHE2425 WSOB08495
NIT No.	74	75	76	77	78
UBN NO.	PHE2425 WSOB08498	PHE2425 WSOB08499	PHE2425 WSOB084503	PHE2425 WSOB084504	PHE2425 WSOB08506

जल सीमित है, इसकी बचत करें। (धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/1081/2025 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड कोलावत

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन 2 गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B)(1)(AP)EX/L/2024-25-03000 part(6)/1474 दिनांक-31.01.2025

पडत मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के अनुज्ञापत्र हेतु आमंत्रित ई-निविदा सूचना में संशोधन

इस कार्यालय की समसंयक विज्ञप्ति पत्रांक 1462 दिनांक 28.01.2025 में उल्लेति सारणी के क्रम संया 1 से 3 तक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 03.02.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	दिनांक 05.02.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय व स्थान	दिनांक 05.02.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।

अन्य सभी शर्ते यथावत रहेगी।
EXC2425GLOB00172

(शिवप्रसाद नकाते)
DIPR/C/1381/2025 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

JODHPUR DEVELOPMENT AUTHORITY, JODHPUR
E-Auction Programme of Residential, Commercial, Multistory, Facility Plots (Club House, School, Community Center, Training Centre, Kinder Garten, Dispensary Etc.) Plots in Jodhpur (February-April) 2025

क्रमांक :-एफ46/नीलामी/2025/जनवरी/13262702 दिनांक :- 29.01.2025

भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी
दिनांक 12.02.2025 से 24.04.2025 तक

204 आवासीय, व्यावसायिक, मल्टीस्टोरी एंव सुविधा क्षेत्र में स्थित (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/किंडर गार्टन स्कूल/डिस्पेंसरी) भूखण्ड

- गंगा विहार योजना में कुल भूखण्ड (43.22 वर्ग मीटर से 256.51 वर्ग मीटर) — 07
- राज्य कर्मचारी आवासीय योजना ग्राम मोगड़ा कलां योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 250.93 वर्ग मीटर) — 05
- उद्योग विहार औद्योगिक योजना में कुल भूखण्ड (1250 वर्ग मीटर से 6324 वर्ग मीटर) — 04
- राजीव गांधी नगर चौखा आवासीय योजना में कुल भूखण्ड (67.50 वर्ग मीटर से 354.75 वर्ग मीटर) — 33
- मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड राजीव गांधी नगर चौखा योजना में कुल भूखण्ड (2464 वर्ग मीटर से 2500 वर्ग मीटर) — 04
- आनन्द विहार योजना ग्राम-मोकलावास में कुल भूखण्ड (270 वर्ग मीटर से 412.05 वर्ग मीटर — 05
- व्यावसायिक खसरा नं. 701 ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (72 वर्ग मीटर से 324 वर्ग मीटर) — 12
- अरणा विहार योजना ग्राम-बड़ली में कुल भूखण्ड (84 वर्ग मीटर से 450 वर्ग मीटर) — 19
- झरणा विहार योजना ग्राम-बड़ली में कुल भूखण्ड (61.2 वर्ग मीटर से 216 वर्ग मीटर) — 02
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना में कुल भूखण्ड (38.33 वर्ग मीटर से 199.07 वर्ग मीटर) — 26
- व्यावसायिक परिवहन नगर आंगणवा ट्रांस्पोर्ट/ऑटोमोबाइल नगर योजना में कुल भूखण्ड (334.57 वर्ग मीटर से 501.86 वर्ग मीटर) — 03
- मण्डोर एफ एस एल खसरा नं. 388 ग्राम मण्डोर आवासीय योजना में कुल भूखण्ड (344.44 वर्ग मीटर) — 01
- मण्डलनाथ आवास योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 592.93 वर्ग मीटर) — 58
- विज्ञान नगर योजना में कुल भूखण्ड (92.01 वर्ग मीटर से 679.83 वर्ग मीटर) — 20
- राजस्व ग्राम उचियारड़ा के खसरा नं. 77/4 (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/किंडर गार्टन स्कूल/डिस्पेंसरी) (450.70 वर्ग मीटर) — 01
- राजस्व ग्राम बनाड़ के खसरा नं. 162, 163, 164 व 166 (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/किंडर गार्टन स्कूल/डिस्पेंसरी) (663.18 वर्ग मीटर) — 01
- राजस्व ग्राम झालामण्ड (आशापूर्णा अनमोल मुख्यमंत्री जन आवास योजना) में (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/किंडर गार्टन स्कूल/डिस्पेंसरी) (682.01 वर्ग मीटर) — 01
- आदित्य इण्डस्ट्रीयल एस्टेट राजस्व ग्राम सालावास के खसरा नं. 52/4, 52/5, 53/4, 53/5 (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/किंडर गार्टन स्कूल/डिस्पेंसरी) (3379.94 वर्ग मीटर) — 01
- राजस्व ग्राम भैंसेर कुतडी के खसरा नं. 211/114, 273/116, वगैरह (एम.एस.एम.ई योजना) (क्लब हाउस/कम्युनिटी सेन्टर/ डिस्पेंसरी) (2723.65 वर्ग मीटर) — 01

ईएमडी जमा दिनांक: 12 फरवरी 2025 से प्रारम्भ
ऑनलाइन बिड: प्रारम्भ तिथिः 12 फरवरी 2025; अंतिम तिथिः 24 अप्रेल 2025

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्ते जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
नीलामी की प्रक्रिया SSO ID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।
अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

राज.संवाद/सी/24/11144

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा) जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर मोबाईल नं.- 96723-54150, 96364-12457
निदेशक वित्त जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर फोनः- 0291-2656355,2656356

राज्यपाल का अभिभाषण पक्ष और प्रतिपक्ष ने शांतिपूर्ण सुना

- अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के फ्लोर मैनेजमेंट के प्रयास लाए रंग
- विधायक मुकेश भाकर का निलंबन रद्द

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के राज्यपाल अभिभाषण का शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए उनके द्वारा किये गये फ्लोर मैनेजमेंट के प्रयासों से विधान सभा सदन के गुलाबी रंग में और अधिक निखार आ गया। राज्यपाल का अभिभाषण पक्ष व प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों ने शांतिपूर्ण ढंग से सुनकर प्रदेश की आठ करोड़ जनता के सामने सदन की गरिमा और मर्यादा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

राज्यपाल के अभिभाषण के शांतिपूर्ण तरीके से कराने में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल रही। उन्होंने गुरुवार को सदन से निलम्बित विधायक मुकेश भाकर को मुलाकात के दौरान समझाया। विधायक भाकर ने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए अध्यक्ष देवनानी से भविष्य में ऐसा व्यवहार नहीं करने का वायदा किया। देवनानी से प्रतिपक्ष के प्रमुख लोगों के दल ने मुलाकात की और उनसे आग्रह किया कि ऐसी घटना की पुनरावर्ती नहीं होगी। प्रतिपक्ष के सदस्यों के इस अनुरोध पर अध्यक्ष देवनानी ने भाकर के निलम्बन को रद्द करने का मानस बनाया और इसका रास्ता निकाला।

सदन में शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण और राज्यपाल द्वारा लौटाए गए अध्यादेशों की जानकारी देने के बाद विधायक भाकर के निलम्बन को रद्द करने का प्रस्ताव लाया गया। प्रस्ताव को पारित होने की तुरन्त बाद शोकाभिव्यक्ति सदन में हुई। अब तीन फरवरी से विधायक भाकर सोलहवीं विधान सभा के तृतीय अधिवेशन में भाग ले पाएंगे। विधायक भाकर के निलम्बन से प्रतिपक्ष राज्यपाल अभिभाषण के समय हंगामा कर सकता था। इसी को देखते हुए अध्यक्ष देवनानी ने सदन के शांतिपूर्ण महौल और उसकी गरिमा को बनाये रखने के लिए रणनीति बनाई और वे इसमें सफल भी हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विधानसभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के कक्ष में गये और उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया और शांतिपूर्ण तरीके से राज्यपाल अभिभाषण को सम्पन्न कराने के लिए अध्यक्ष का आभार भी ज्ञापित किया।

अध्यक्ष देवनानी की पक्ष और प्रतिपक्ष के मध्य निभाई गई इस बेहतर भूमिका की विधानसभा के प्रत्येक सदस्य ने प्रशंसा की। इससे पहले अनेक बार सदन में अभिभाषण के दौरान हंगामा रहा लेकिन इस बार अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रयासों से सदन गुलाबी हो गया।

राज्य में योग आयोग के गठन को लेकर प्रस्ताव किया पारित

जयपुर। भारत के सभी योग संगठनों के समुच्चय एवं योग के मुख्य संगठन इंडियन योग एसोसिएशन की राजस्थान कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन राष्ट्रीय महासचिव एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की गवर्निंग कॉन्सिल के सदस्य सुबोध तिवारी की अध्यक्षता में बप्पा रावल सभागार में हुआ। बैठक में संपूर्ण राजस्थान के योग विशेषज्ञ एवं कार्यकारी समिति के सदस्य सम्मिलित हुए।

सर्वप्रथम संयुक्त सचिव हिमांशु पालीवाल ने गत बैठक के प्रस्तावों का अनुमोदन करवाते हुए अभी तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। महासचिव सुबोध तिवारी ने संगठन की कार्ययोजना एवं अपेक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

विधानसभाकर्मी सलीम खां हुए सेवानिवृत्त

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सेवानिवृत्ति समारोह में साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सलीम खां का अभिनन्दन किया।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के कर्मचारियों से कहा है कि वे सभी राजस्थान विधान सभा की गरिमा को बनाये रखने वाले कार्य करें। उन्होंने कहा कि निष्ठा का स्वभाव बनाएं और संस्था के प्रति समर्पित रहे। सही समय पर आना और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन कर समय पर कार्यालय से जाना ही जिम्मेदार कर्मचारी की पहचान होती है। प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्र प्रथम का भाव होना आवश्यक है।

देवनानी शुक्रवार को यहां विधान सभा में विधानसभा कर्मी सलीम खां के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि अपने कार्यों को श्रेष्ठता से करके संस्थान का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। किसी भी संस्था के कर्मी ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो संस्था भी उनके हितों का ध्यान प्राथमिकता से रखेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी सौभाग्यशाली होते है। लोकतंत्र के इस मंदिर में काम करने का मौका कुछ लोगों को ही मिल पाता है। लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल पर मनोभाव और सकारात्मक दृष्टि से काम करके निष्ठावान होने का परिचय दें। विधान सभा का प्रत्येक कर्मी सहभागिता से कार्य करें। संस्था के हित के लिए सामूहिक प्रयास करें। अपनी श्रेष्ठ क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र के विकास में करें।

स्पीकर देवनानी ने सेवानिवृत्ति समारोह में साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर खां का अभिनन्दन किया।

आदिवासी लोकनृत्यों ने मन मोहा

आरएएफ कैंप, लालवास में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों के आदिवासी कलाकारों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

जयपुर। आरएएफ कैंप, लालवास में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों के आदिवासी कलाकारों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।यह कार्यक्रम भारत सरकार के नेहरू युवा संगठन द्वारा गृह मंत्रालय के सौजन्य से आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने अपने-अपने क्षेत्रीय नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें कृषि, प्रकृति, पारंपरिक आस्था और सामाजिक संदेश झलकते दिखे। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम से प्रमिला लागुर दल ने धामा-धूमेंग नृत्य प्रस्तुत किया, जो मुख्य रूप से माघे पर्व पर किया जाता है। ओडिशा के कंधमाल से कलेश मलिक दल ने दंड नृत्य और कंध नृत्य का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से आए मनीष और उनके दल ने गोंडी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें प्रकृति के सौंदर्य को दर्शाया गया। नृत्य में फूलों का खिलना, नदियों का बहना, झरनों का गिरना, और फसलों का लहराना जैसे दृश्य शामिल थे। बीजापुर की संगीता और उनके दल ने फागुन माह में आयोजित मंडई मेला को नृत्य के माध्यम से जीवंत कर दिया। इस नृत्य में बस्तर के देवता आंगा देव की पूजा, पारंपरिक आदिवासी विवाह और उनकी पारंपरिक वेशभूषा का प्रदर्शन किया गया। उर्मिला सलाम और उनके दल ने मांदरी नृत्य प्रस्तुत किया, जो बस्तर के प्रमुख त्योहारों, विशेषकर नयाखानी पर्व के दौरान किया जाता है। यह नृत्य शादी-विवाह और उत्सवों का मुख्य आकर्षण होता है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से आए कलाकारों ने करमा नृत्य प्रस्तुत किया।

जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का दूसरा संस्करण 5 से

जयपुर। जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का दूसरा संस्करण 2025 में 5 से 7 दिसंबर तक जयगढ़ फोर्ट में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा आज जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक, संजॉय के. रॉय ने की।

इस अवसर पर जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "मैं जेएलएफ में जिज्ञासु लोगों के बीच आकर उत्साहित हूं। जयगढ़ सिर्फ़ एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं है; इसने सदियों से हमारे लोगों की रक्षा की है। एक संग्रहालय होने के अतिरिक्त, इसमें राज्य के लिए एक सांस्कृतिक केंद्र बनने की क्षमता भी है। यह विचार पिछले वर्ष तब सामने आया जब हमने फेस्टिवल का आयोजन किया था और अब हम पूरे भारत के कलाकारों, लोक कलाकारों और सांस्कृतिक प्रेमी लोगों का एक समुदाय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संजॉय के. रॉय ने ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जयगढ़ फोर्ट न केवल अतीत की धरोहर है, बल्कि नवाचार का प्रतीक भी है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी पहिए वाली तोप रखी है। उन्होंने आगंतुकों से फोर्ट को एक्सप्लोर करने और इसकी ऐतिहासिक भव्यता में पूरी तरह से खो जाने का आग्रह किया।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रेसिडेंट एवं बिजनेस स्ट्रैटजी, वेदांता लिमिटेड रितु झिंगोन ने कहा, वेदांता जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का हिस्सा बनकर प्रसन्न है। यह एक ऐसी पहल है जो राजस्थान की गौरवशाली धरोहर का जश्न मनाने के लिए पर्यटन, विरासत और संस्कृति को एक साथ लाती है। वेदांता में हम न केवल अपने काम को प्रदर्शित करने में विश्वास रखते हैं।

सचिवालय नगर में अवैध निर्माण रुकवाया

मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक और जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा ने गुरुवार को मुहाना स्थित सचिवालय नगर योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण को रुकवाया।

जयपुर। मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक और जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन शाखा ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर मुहाना स्थित सचिवालय नगर योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण को रुकवाया। यह अवैध निर्माण जेडीए के अनुमोदित नक्शे के विपरीत 132 के.वी. की हाइटेंशन लाइन के पास सेक्टर रोड पर हो रहा था।

मुहाना गृह निर्माण सहकारी समिति के समापक बृजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि सहकारिता मंत्री एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां को योजना में अवैध निर्माण व अतिक्रमण की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं, जिसके क्रम में यह कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि मौके पर जेडीए द्वारा गार्ड नियुक्त किया गया है। साथ ही, इस संबंध में एक परिवाद भी समापक की ओर से पुलिस थाना सांगानेर में दिया गया है।

समापक ने बताया कि वैध भूखण्डधारियों की पहचान कर सूची का प्रकाशन किया जाना है। योजना में अनियमितताओं की जांच के संबंध में रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा आदेश पारित हो रखा है।

संशोधित परिणाम से पूर्व में चयनित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी प्रभावित : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि साल 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल-2 में चयनित होकर अध्यापन करा रहे याचिकाकर्ता शिक्षक कर्मचारी बोर्ड की ओर से हाल ही में भर्ती के जारी किए गए संशोधित परिणाम से प्रभावित नहीं होंगे। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश विनेश कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने वर्ष 2022 में तृतीय श्रेणी शिक्षक लेवल-2 के लिए भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता चयनित हो गए और वे करीब डेढ साल से शिक्षक पद पर काम कर रहे हैं। इसी बीच कर्मचारी चयन बोर्ड ने गत 27 जनवरी को कुछ प्रश्नों के उत्तर में बदलाव होने पर भर्ती का संशोधित परिणाम जारी कर दिया। जिसके चलते याचिकाकर्ताओं को सेवा से बाहर किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने नियमानुसार भर्ती परीक्षा देकर मेरिट में आकर नियुक्ति हासिल की है। यदि सवालों के जवाब बदले हैं तो उसमें याचिकाकर्ताओं की कोई गलती नहीं है। इसके अलावा एक बार नियुक्ति होने के बाद बिना विभागीय जांच कर्मचारी को सेवा से नहीं हटाया जा सकता।

कांग्रेस ने युवाओं को ठगा, जनता को जमकर लूटा : जोगाराम पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में अपराधी और माफिया पनपे तथा जमकर भ्रष्टाचार भी हुआ। आज भजनलाल सरकार में माफिया का नहीं, जनता का राज है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप हमारी सरकार ने अपराधियों पर नकेल कसी है। आज कानून का ऐसा इकबाल है कि बड़े से बड़ा अपराधी हो या गैंगस्टर वो राजस्थान से या तो भाग चुका है या भाग रहा है। हमनें बजरी माफिया पर भी सख्ती से कार्रवाई की है।

पटेल ने शुक्रवार को मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में यह पहला अवसर है कि किसी राज्य सरकार ने एक साल पूरा कर लिया लेकिन विपक्षी पार्टियों ने किसी भी तरह का आरोप नहीं लगाया। हमारे मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पारदर्शिता और पूर्ण जवाबदेही के साथ प्रदेश में बेहतरीन सुशासन का मॉडल स्थापित किया है। वे विकास के विजन के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सुखद है कि पहली बार आज बजट सत्र में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण में कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ।

पटेल ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कुशासन का राज रहा और जनता त्रस्त रही। उन्होंने 5 साल के कार्यकाल में ईआरसीपी परियोजना पर एक कदम भी नहीं बढ़ाया। वहीं हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सानिध्य में 'रामजल सेतु लिंक परियोजना (एमपीकेसी परियोजना) के एमओए पर हस्ताक्षर इसका त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। इससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार ने नियमित रूप से भर्तियां निकाली और परीक्षाएं समय पर आयोजित की। हमने वर्ष 2025 में 81 हजार पदों पर होने वाली भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नियुक्तियों की घोषणा की थी। इसमें से एक वर्ष में ही 59 हजार 236 पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। इसके अलावा 1 लाख 72 हजार 990 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। यह बताता है कि हम जो कहते हैं, वह करते भी हैं।

विरोध जताने के लिए पोस्टर पहनकर सदन में पहुंचे विधायक

जयपुर, (वि.सं.)। 16वीं विधानसभा का तीसरा सत्र शुक्रवार से शुरू हुआ, जिसमें कुछ खास बदलाव दिखे। सदन के अंदर का कारपेट नया रंग का था और बाहर भी कुछ विधायक अलग अंदाज में नजर आए। विधानसभा का सत्र शुरू होते ही विधायकों ने विरोध लगे पोस्टर स्टीकर पहनकर पहुंचे। इस दौरान पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के दौरान बनाए गए जिलों को समाप्त करने का विरोध विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले ही तेज हो गया है। नीमकाथाना जिले को समाप्त करने के विरोध में नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी विधानसभा पहुंचे और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग की और कहा कि नीमकाथाना सभी मापदंडों पर खरा उतरता है, लेकिन राजनीतिक द्वेष के कारण भजनलाल सरकार ने इस जिले को समाप्त कर दिया।

विधायक मोदी ने कहा कि क्षेत्रफल और जनसंख्या के हिसाब से नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की सभी शर्तें पूरी होती हैं, फिर भी पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के द्वारा बनाए गए जिलों को समाप्त कर दिया गया। उनका कहना था कि यह निर्णय राजनीति से प्रेरित था और इस कदम से स्थानीय लोगों की समस्याएं बढ़ी हैं। नीमकाथाना में इस फैसले के विरोध में धरने और प्रदर्शन हो रहे हैं और लोग लगातार नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग कर रहे हैं।

राज में भी अपमान हुआ, विपक्ष में था तब भाजपा मुख्यालय में भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने दी : डॉ.किरोड़ी

- डॉ. किरोड़ी तीन फरवरी से विधानसभा की शेष बैठकों से अवकाश पर रहेंगे। इसकी अर्जी उन्होंने एक सप्ताह पहले विधानसभा अध्यक्ष को दे दी थी
- 'सरकार के हां में हां मिलाते रहो तो रिश्ते अच्छे रहते हैं। हां जी की जगह अगर ना जी की तो मर जाओगे। लेकिन मेरी ऐसी आदत नहीं रही है। मैं सच बोलता हूं'

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जब वे विपक्ष में थे तब वे सड़कों पर लड़ते रहे तब भी उनका अपमान हुआ था और अब राज में भी उनका अपमान हो रहा है, समय अब मिलावट का है। सरकार के हां में हां मिलाते रहो तो रिश्ते अच्छे रहते हैं। हां जी की जगह अगर ना जी की तो मर जाओगे। लेकिन मेरी ऐसी आदत नहीं रही है। मैं सच बोलता हूं। कहा कि पिछली सरकार के वक्त में विभिन्न मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरा।

उन्होंने कहा कि विपक्ष में सड़कों पर लड़ते रहे इसीलिए हमारी सरकार आई है। लेकिन जब जिन मुद्दों पर लड़ाई लड़ी वह पूरे नहीं होते तो मैं भी मुरझा जाता हूं। भ्रष्टाचार पेपर लीक एक और युवाओं के मामले हैं पिछली सरकार में वीरांगनाओं का मामला भी उठाया था तब उस वक्त मेरा अपमान हुआ और अब राज में भी अपमान हो रहा है। तब भाजपा मुख्यालय में भी मुझे प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करने दी गई। उन्होंने बीसलपुर में गार्डन के नाम पर बजरी निकालने के ठेका फर्म पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वहां कंपनी गार्डन की जगह रोजाना ढाई किलोमीटर एरिया से 7 करोड़ की बजरी निकाल रही है लेकिन सरकार को बताए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमारी आंखों के सामने ऐसा हो रहा है। किरोड़ी लाल गुरुवार को विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण सुनने आए थे। अब वह 3 फरवरी से विधानसभा की शेष बैठकों से अवकाश पर रहेंगे। इसकी अर्जी उन्होंने एक सप्ताह पहले विधानसभा अध्यक्ष को दे दी थी। जानकारी के अनुसार 3 फरवरी को विधानसभा अध्यक्ष उनके अवकाश की अनुमति का प्रस्ताव सदन में रखेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को राजभवन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल बागडे से नार्वे की राजदूत मे.एलिन स्टेनर ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे दुग्ध उत्पादन और पशुधन संपदा के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों ने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास योजनाओं के समन्वय और निवेश संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस दौरान मौजूद रहे। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

लैण्ड पूलिंग योजना में शिवदासपुरा, बरखेड़ा और चंदलाई का विकास करवायेगा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने राजस्थान की पहली लैण्ड पूलिंग योजना शिवदासपुरा, बरखेड़ा और चंदलाई का विकास कार्य 29 जनवरी से शुरू करवा दिया है। यह योजना किसानों व खातेदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है, जिसमें पहली बार किसान अथवा खातेदारों को अवाप्ति के बदले 45 प्रतिशत भूमि देने का प्रावधान किया गया है। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जेडीए के जोन-14 में ग्राम शिवदासपुरा, बरखेडा, चंदलाई में 163 हैक्टेयर भूमि में पहली (प्रथम) 18 मीटर सड़क का निर्माण कार्य खातेदारों के सहयोग से प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजा का आयोजन किया गया, और गुजरात मॉडल की तर्ज पर पहली बार राजस्थान में लैण्ड पूलिंग योजना का विकास किया जा रहा है।

यह योजना आधुनिक नगर नियोजन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती है, जिसमें सुव्यवस्थित सड़कें, पार्क, और सुविधा क्षेत्रें का विकास किया जाना प्रस्तावित है। इससे न केवल क्षेत्र का समग्र विकास होगा, बल्कि स्थानीय निवासियें को भी बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

आनंदी ने बताया कि जेडीए द्वारा समयबद्ध रूप से आगामी कुछ माह में योजना की 18 एवं 24 मीटर की सड़कों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु 28.60 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर निर्माण कार्य एजेंसी का चयन किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, 17-20 जनवरी को जविप्रा का एक छः सदस्यीय दल इस योजना के अध्ययन हेतु सूरत (गुजरात) में चल रही लैण्ड पूलिंग सीमा का आधिकारिक दौरा करने गया था। दल का नेतृत्व अतिरिक्त आयुक्त एवं लैंड पूलिंग अधिकारी राजेन्द्र सिंह कविया द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार द्वारा 13 नवंबर, 2024 को ड्राफ्ट स्कीम की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके तहत विकास कार्यों को गति दी जा रही है। विकास कार्य प्रारम्भ किये जा चुके है तथा खातेदारों को शीघ्र ही भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ की जाएगी। यह लैंड पूलिंग योजना न केवल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, बल्कि यह जयपुर के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दो साल पहले परिवार से बिछड़े बालक को माता-पिता से मिलवाया

दिल्ली से नशीला पदार्थ सुंघाकर साधु ने बालक का अपहरण किया था

अलवर, (निसं)। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप बाल अधिकारिता विभाग की शासन सचिव पूनम एवं जिला बाल संरक्षण इकाई, अलवर की अध्यक्षा जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में बाल अधिकारिता विभाग, अलवर द्वारा गुमशुदा बालकों को उनके परिवार से पुनर्मिलन के लिए किए जा रहे प्रयासों के चलते 2 साल पहले परिवार से बिछड़े बालक आदर्श को फिर से उसके माता-पिता मिल गए।

बालक आदर्श शर्मा पुत्र अरविन्द शर्मा जो कि 10 अप्रैल 2023 से इरादा बालगृह, अलवर में आवासित रहा। बालक मूल रूप से जिला खगडिया बिहार का रहने वाला था जो अपने ननिहाल बेगूसराय, बिहार में रहता था। बालक के परिजन काम की तलाश में लाल किले के पास दिल्ली में झुग्गी झोपडियों में रहने लग गये थे। बालक के बताये अनुसार मार्च 2023 में बालक का अपहरण एक साधु द्वारा नशीला पदार्थ सुंघाकर कर लिया गया था। इसके बाद यह साधु अनेक स्थानों पर लेकर इस बालक को घूमता रहा। खैरथल रेलवे स्टेशन से मिली सूचना पर बाल अधिकारिता विभाग अलवर की चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा बालक को सीडबल्यूसी अलवर द्वारा इरादा बालगृह, अलवर में प्रवेश दिलवाया गया।

अलवर अधिकारियों की टीम ने बालक आदर्श को माता-पिता के पास पहुंचाया।

- बिहार से काम की तलाश में दिल्ली आकर रहने लगा था परिवार
- खैरथल रेलवे स्टेशन से बालक को अलवर इरादा बालगृह पहुंचाया गया था

बालक केवल अपने माता-पिता का नाम बताता था एवं लाल किले के पास गली नंबर 9 में रहते थे यही बता पाता था। बालक को कोई भी दूरभाष नंबर याद नही था। बालक द्वारा बताये गये पते के अनुसार परिजनों की तलाश के लिए बाल अधिकारिता विभाग, अलवर की टीम द्वारा बच्चे को साथ लेकर अक्टूबर 2024 में लाल किला, दिल्ली के चारों और स्थित प्रवासी मजदूरों की बस्तियों में बालक के परिजनों की खूब तलाश की लेकिन बालक के परिजन नही मिल पाये। बालक के आधार एनरोलमेंट की रिक्वेस्ट पूर्व में आधार कार्ड बना होने के कारण रिजेक्ट हो गई जिसके परिणामस्वरूप पहले बना हुआ आधार प्राप्त किया जा सका। आधार कार्ड में बच्चे का पता अयोध्याबाडी, लाखो, पोस्ट आफिस मिर्जापुर, जिला बेगूसराय मिला लेकिन आधार कार्ड पर दर्ज मोबाइल नंबर बंन्द था। इसके बाद गूगल मैप के माध्यम से तलाश की गई जिसमें रोड साईकिलिंग नाम से एक प्रतिष्ठान संस्थान के दूरभाष नंबर थे।

सहायक निदेशक रविकान्त द्वारा इस प्रतिष्ठान में दिये गये दूरभाष नंबर पर वार्ता की गई जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले गजेन्द्र के दूरभाष नंबर थे।

रोड साइकिलिंग प्रतिष्ठान द्वारा गूगलमैप पर दो फोटो अपलोड किये हुए थे जो बच्चे को दिखाए तो बच्चे ने खुशी से स्थानीय भाषा में कहा कि यह मेरे घर के पास स्थित ढाला (रेलवे फाटक) है। इसके बाद बच्चे की वार्ता गजेन्द्र से करवाई और बच्चे ने अपने घर का लैंडमार्क स्थानीय भाषा में समझाया सहायक निदेशक के अनुरोध पर गजेन्द्र बालक के बताए स्थान पर गये जहां इनके मामा-मामी निवासरत थे। 30 जनवरी को बालक की वीडियो कॉल पर मामी से वार्ता करवाई एवं बच्चे के माता-पिता के नंबर लेकर विडियो कॉल पर बालक की वार्ता करवाई। वीडियो कॉल पर माता द्वारा अपने बच्चे एवं बच्चे द्वारा अपनी माता को देखकर आंखो से आंसू बहने लगे। 31 जनवरी 2025 को बालक को उसके माता-पिता एवं परिजनों को सुपुर्द कर दिया। प्रशासन में तकनीक के इस्तेमाल और विशेष प्रयासों से बालक आदर्श शर्मा का परिवार में पुनर्मिलन हो पाया। बालक के पुनर्मिलन कार्य में इरादा बालगृह संचालक नरेन्द्र सिसोदिया, संरक्षण अधिकारी सतीष चौधरी एवं विभाग की चाइल्ड हेल्पलाइन टीम का विषेष योगदान रहा।

''हिट-एंड-रन केस'' में घायल नाबालिग ने दम तोड़ा

परिजन व समाजजनों ने मृतक आश्रितों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की

भीलवाड़ा, (निसं)। गत दिनों शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र हुए हिट एंड रन केस में घायल चौदह साल के कृष्णा ने शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजन व समाजजनों ने मोर्चरी पर प्रदर्शन कर, मृतक आश्रितों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग पुलिस-प्रशासन से की हैं। फिलाहाल शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है।

थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर के अनुसार, कुवाड़ा क्षेत्र स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस के बाहर 28 जनवरी की देर शाम तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी ने कुवाड़ा रोड़ निवासी कृष्णा कोली (14) पुत्र मुकेश कोली व ललित कोली (17) पुत्र बाबूलाल कोली को टक्कर मार दी थी, हादसे में ये दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से दो दिन पहले ललित को उदयपुर रैफर कर दिया गया।

वहीं कृष्णा का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। शुक्रवार सुबह कृष्णा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिजनों सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग एमजी अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे और 25 लाख रुपये का मुआवजा दिलाने की मांग करते हुए पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। कृष्णा के शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया जा सका।

मृतक बालक।

- 28 जनवरी को तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी ने दो जनों को टक्कर मार दी थी

जानकारी के अनुसार इस हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने फॉर्च्यूनर में जमकर तोड़फोड़ की थी। सुभाषनगर पुलिस क्रेन की सहायता से फॉर्च्यूनर को जब्त कर थाने ले गई, जहां उसे थाने के बाहर खड़ा किया था। देर रात स्कूटी से आये दो अनजान लोगों ने इस फॉर्च्यूनर को आग के हवाले कर दिया। आग से गाड़ी जल गई। वहीं इसके पास ही खड़ी भीमगंज थाने के हैड कांस्टेबल रामप्रसाद मीणा की सेंट्रो कार का भी कुछ हिस्सा आग की चपेट में आ गया था।

मारवाड़ हॉर्स शो आज से

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में ऑल इंडिया मारवाड़ी हॉर्स सोसाइटी व मारवाड़ी हॉर्स बुक रजिस्ट्रेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में दसवां दो दिवसीय मारवाड़ हॉर्स शो एक और दो फरवरी को पोलो ग्राउंड पाबूपुरा में होगा। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न प्रदेशों के स्टड बुक की ओर से रजिस्टर्ड घोड़े हिस्सा लेंगे। दो दिन अलग-अलग अश्व प्रतियोगिता होगी।

प्रतियोगिता को लेकर सचिव इंद्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 1 फरवरी को सुबह 9:45 बजे किया जाएगा, जिसमें लोक कलाकार भी अपनी कला की प्रस्तुति देंगे। वही 10:30 बजे से अलग-अलग प्रतियोगिताएं शुरू होगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मारवाड़ी नस्ल के घोड़े की पहचान और गुणवत्ता को बनाए रखने का प्रयास है। साल 1998 में ऑल इंडिया मारवाड़ी हॉर्स समिति जोधपुर का गठन हुआ।

युवक पर आधा दर्जन लोगों ने हमला किया

हमले की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कारोई थाना क्षेत्र की सोपुरा कंजर बस्ती के पास एक फार्म हाउस में बैठे युवक पर बीती रात आधा दर्जन लोगों ने सरियों से हमला कर दिया। हमले की यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उधर, घायल को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

दगड़ियां पीड़ित मदन लाल पुत्र भूरा गुर्जर ने बताया कि हमलावर तलवार, पिस्टल और सरियों से लैस थे। पीड़ित ने हमलावरों से किसी प्रकार की लेन-देन व रंजिश से इंकार किया है। मदन ने बताया कि बीती रात साढ़े नौ बजे वह गुरलां से सोपुरा पहुंचा, जहां कंजर बस्ती के नजदीक स्थित बुद्धपुरी के फार्म हाउस में बैठा था। इस दौरान चालक गाड़ी में, जबकि सांवरलाल कमरे में सो रहा था। कालू भी वहीं था। अचानक किशन गुर्जर, प्रकाश गुर्जर, फोरू, राधेश्याम, कैलाश व दो-तीन अन्य लोग वहां आए जिनके पास पिस्टल, तलवार व सरिये थे। इन लोगों ने आते ही ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

- घायल को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया

कैंपर में आए युवकों ने घर में घुसकर मारपीट एवं तोड़फोड़ की

खिरोड़, (निसं)। कस्बे के जलदाय विभाग के पंप हाउस के पास स्थित एक घर में गुरुवार रात्रि चार- पांच युवकों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की एवं लोगों के साथ मारपीट की, जिसमें करीब चार लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जलदाय विभाग के पंप हाउस के पास रमेश कुमार पुत्र घासीराम मेघवाल के घर में कैंपर में सवार होकर आए अज्ञात पांच युवकों ने रमेश कुमार के घर में घुसकर मकान में तोड़फोड़ की। वहीं रमेश कुमार एवं उसकी पत्नी पार्वती देवी, रमेश कुमार की भाभी चूकी देवी, भतीजा मनोज के साथ मारपीट की। जिस पर रमेश कुमार एवं उसकी पत्नी पार्वती के मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोटें आई एवं चूकी देवी व मनोज भी घायल हो गया। युवकों ने मकान में तोड़फोड़ की इसके दौरान मकान की रेलिंग, अलमारी, टंकी सहित विभिन्न तरह का समान तोड़ डाला। आस पड़ौस के लोगों ने घायल युवकों को रात को खिरोड़ के राजकीय सामुदायिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उन्हें नवलगढ़ के सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। नवलगढ़ अस्पताल पहुंचने के बाद पीड़ितों का इलाज किया गया। इलाज के दौरान रमेश कुमार एवं उसकी पत्नी पार्वती देवी को पांच-पांच टांके भी लगे हैं।

हमले में घायल युवक।

- मारपीट में चार लोग घायल हो गए, अस्पताल में उपचार किया
- दो पक्षों के एक-एक व्यक्ति को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया

पीड़ित परिवार ने पुलिस थाना गोठड़ा के थाना अधिकारी से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कार्यवाही की जाने की मांग की है। पीड़ित परिवार ने गोठड़ा थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इधर, गोठड़ा थाना पुलिस ने बताया कि दो पक्षों के एक-एक व्यक्ति को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

एनटीए ने जेईई-मेन जनवरी सेशन के आंकड़े जारी किए

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी के समापन के बाद परीक्षा से संबंधित आंकड़े नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी कर दिए गए हैं। एजेंसी के एक्स पर जारी किए गए इन आंकड़ों के अनुसार परीक्षा के लिए 13 लाख 78 हजार विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया था, जिसमें से 13 लाख ने परीक्षा दी। जनवरी परीक्षा का परिणाम 12 फरवरी को जारी किया जाना प्रस्तावित है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि देश के 284 परीक्षा शहरों के 598 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा भारत के साथ-साथ 15 देशों में संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल विद्यार्थियों की 94.5 प्रतिशत उपस्थिति रही। ऐसे में प्रत्येक शिफ्ट में हुई परीक्षा में करीब एक लाख 30 हजार विद्यार्थी शामिल हुए। अप्रैल परीक्षा की आवेदन का विद्यार्थी शुक्रवार को इंतजार करते रहे। पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी से शुरू होनी थी। गत वर्षों के ट्रेंड को देखते हुए दो लाख से अधिक नए विद्यार्थी अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं, जारी आंकड़ों के अनुसार पूर्व में 13 लाख 78 हजार विद्यार्थी आवेदन कर चुके थे, ऐसे में यूनीक कैंडिडेट की संख्या 15 लाख से अधिक होना तय माना जा रहा है, जो कि जेईई-मेन के इतिहास की सर्वाधिक संख्या है।

आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के प्रश्न पत्र एवं स्टूडेंट्स के रिकॉर्डेड रेस्पोंस प्रोविजनल आंसर की के साथ अगले दो-तीन दिन में जारी हो सकते हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि रिकॉर्डेड रेस्पोंस को आवश्यक रूप से डाउनलोड करके रख लें, क्योंकि रिकॉर्डेड रेस्पोंस एवं प्रश्न पत्र मात्र दो दिन के लिए ही जेईई-मेन वेबसाइट पर उपलब्ध रहते हैं, इसके उपरान्त उन्हें वेबसाइट से हटा लिया जाता हैं।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाष नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर ठगी में काम लिया मोबाइल व सिम कार्ड जब्त किया है।

थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि साइबर ठगी की रोकथाम और साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत लोन दिलाने के नाम पर आमजन के साथ साइबर ठगी करने वाले संजय कॉलोनी निवासी हितेश शर्मा (37) पुत्र रामदयाल शर्मा को गिरफ्तार कर सुभाषनगर थाने पर प्रकरण दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित से ठगी में काम लिया मोबाइल फोन व सिम कार्ड जब्त किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि भोले-भाले लोगों को लोन दिलाने के लिए फेसबुक पर संपर्क किया जाता और फिर रजिस्ट्रेशन शुल्क, फाइल चार्ज, प्रोसेसिंग फीस आदि के नाम पर लगातार रुपयों की ठगी की जाती थी। आरोपी के फ़ोन में फर्जी फेसबुक अकाउंट, पेमेंट स्कैनर तथा लोन के नाम से 1500 से भी अधिक लोगों का डाटा मिला है, जिसके सम्बन्ध में विस्तृत अनुसंधान किया जा रहा है। मास्टरमाइंड हितेश के खिलाफ भुज, गुजरात में भी लोन के नाम पर ठगी करने की शिकायत दर्ज है।

- आरोपी के कब्जे से ठगी में काम लिया मोबाइल व सिम कार्ड जब्त किया
- आरोपी के खिलाफ भुज, गुजरात में भी ठगी करने की शिकायत दर्ज है

कांस्टेबल को पुरस्कृत किया

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण इलाके के थाना रामगंजमंडी मे सन् 1968 में हुए हत्याकांड का खुलासा कर 57 साल से फरारी काट रहे हत्या के आरोपी को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाने वाले चेचट थाने के कांस्टेबल धीरज गोला को कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने पुरस्कृत किया। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि थाना रामगंजमंडी में सन् 1968 में हुए हत्याकांड में फरार चल रहे मफरूर आरोपी प्रभुलाल उर्फ प्रेमसागर को डिटेन कर गिरफ्तार किया गया था। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी तक पहुंचने मे चेचट थाने के कांस्टेबल धीरज गोला की अहम भूमिका रही। , कांस्टेबल ने फरार आरोपी प्रभुलाल को दिल्ली के मंगोलपुरी से ढूंढ निकाला एवं डिटेन करने में सफलता हासिल की। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि कांस्टेबल धीरज को 5100 रूपये नकद इनाम मय प्रशंसा पत्र देकर पुरस्कृत किया।

अज्ञात जंगली जानवरों ने बाड़े में घुसकर 40 भेड़ों को मारा

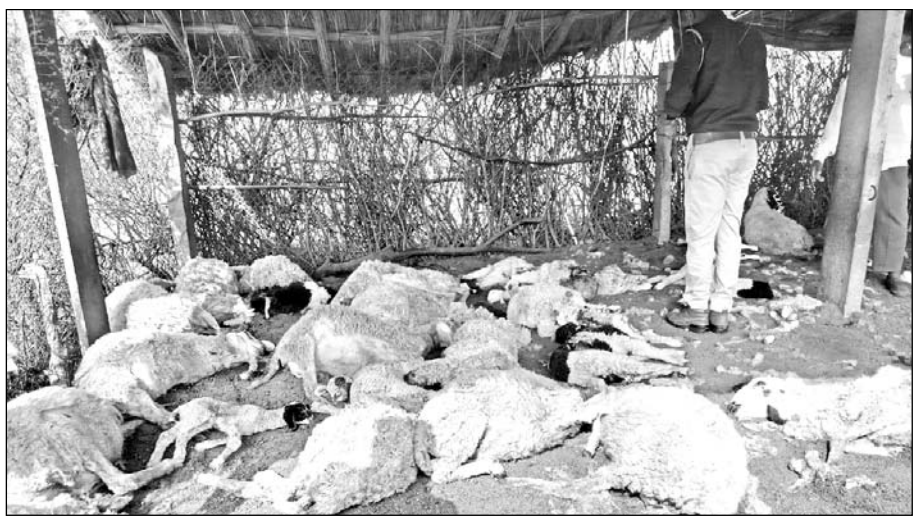

पशुपालन विभाग की टीम व पुलिस ने मौके पर जाकर जानकारी ली।

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के उत्तरासर गांव के ढेवा के बास की गुर्जरों की ढाणी में अज्ञात जंगली जानवरों ने पशुपालक में बाड़े में मवेशियों पर हमला कर दिया। जंगली जानवरों के हमले से बाड़े में बंधी करीब 40 भेड़ों की मौत हो गई है, जबकि एक दर्जन से अधिक भेड़े घायल हो गई।

पशुपालक सांवरमल गुर्जर की सूचना पर सदर थानाधिकारी ओमप्रकाश पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही झुंझुनूं रेंजर विजय कुमार फगेड़िया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने बताया कि रात को अज्ञात जंगली जानवरों ने पशुपालक सांवरमल के बाड़े पर हमला कर दिया। जंगली जानवर के हमले से बाड़े में बंधी 40 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक भेड़ें घायल हो गई। मौके पर पहुंची पशुपालन विभाग की टीम द्वारा घायल भेड़ों का इलाज किया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पशुपालक को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। झुंझुनूं रेंजर विजय कुमार फगेड़िया ने बताया कि मौके पर बड़े जंगली जानवर के पगमार्ग मिले हैं। जिसके आधार पर टीम पता लगाने में जुटी हुई है। पशुपालन विभाग की टीम को बुलाकर घायल पशुओं का इलाज करवाया।

- जंगली जानवरों के हमले में एक दर्जन से अधिक भेड़ें घायल हो गई

महाकुंभ गए 150 श्रद्धालु हाईवे पर जाम में फंसे

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर से प्रयागराज महाकुंभ गए 150 से अधिक यात्रियों का जत्था वाराणसी से अयोध्या जाने वाले हाईवे पर 30 किमी लंबे जाम में फंस गया है। 18 घंटे से जाम में फंसे यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ये लोग डांस और भजन कीर्तन कर अपना समय बिता रहे हैं। डूंगरपुर सहित आसपास के कई जिलों से प्रयागराज महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। डूंगरपुर बस एसोसिएशन के अध्यक्ष वल्लभराम पाटीदार ने बताया कि डूंगरपुर से रोज 2 से 3 बस से प्रयागराज के लिए श्रद्धालु निकल रहे हैं। कार और अन्य सुविधाओं से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं।

चांदसेन बांध में कूदी रोडवेज बस, चालक की सूझबूझ से 60 यात्री सुरक्षित बचे

जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर डिग्गी थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, डीएसपी मौके पर पहुंचे

मालपुरा, (निसं)। जयपुर से रायपुरिया के लिये जा रही वैशाली डीपो की रोडवेज बस के सामने अचानक आई बकरी को बचाने के दौरान रोडवेज बस चांदसेन बांध में कूद गई। मुख्य सड़क से तकरीबन 15 फीट नीचे कूदी रोडवेज बस में सवार आधा दर्जन यात्री तो चोटिल हुये, लेकिन चालक की सूझबूझ व तत्परता से बस में सवार 60 यात्री सुरक्षित बच गये। डीएसपी आशीष प्रजापत ने मौके पर पहुंच चालक से घटना की जानकारी ले यात्रीयों की कुशलक्षेम पूछी।

मामले के अनुसार शुक्रवार की दोपहर जयपुर सिंधी कैम्प से रायपुरिया के लिये रवाना हुई सवारियों से भरी रोडवेज बस तकरीबन दो बजे डिग्गी मोड से मालपुरा के लिये रवाना हुई। चांदसेन मोड से कुछ दूरी पहले ही अचानक बस के सामने दौड़कर बकरी आ गई, जिसे चालक ने बचाने का पूरा प्रयास किया, तो इसी दौरान बकरी को बचाते समय स्टेट हाईवे पर चल रही बस चांदसेन बांध में कूद गई। तकरीबन बीस फीट से अधिक दूरी तक बस हवा में लहरने के बाद चालक बलदेव सिंह ने अन्तिम समय तक बस को नियंत्रण में रखा, जिससे बस पलटी खाने से बाल-बाल बच गई। बस में सवार यात्री रशीद, रामदयाल, विमला, ग्यारसी, मेहराम व आराध्या चोटिल हो गये। बस चालक बलदेव सिंह व परिचालक बन्नालाल गुर्जर की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची डिग्गी थाना पुलिस व मालपुरा एवं डिग्गी लॉकेशन की 108 एम्बूलेंस की सहायता से घायलों को डिग्गी अस्पताल पहुंचाया गया। बांध मे रोडवेज बस कूदने की सूचना आग की तरह फैल गई तो देखते ही देखते बड़ी संख्या मे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस जवानों ने सभी यात्रीयों को बस से सुरक्षित बाहर निकाल अन्य रोडवेज बस से अपने गंतव्य की और रवाना किया।

चांदसेन मोड़ के पास बांध में कूदी रोडवेज बस की सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रजापत ने घटनास्थल का जायजा लिया।

- रोडवेज बस के सामने अचानक आई बकरी को बचाने के दौरान बस चांदसेन बांध में कूद गई

पुलिस उपाधिक्षक आशीष प्रजापत ने घटनास्थल पर पहुंच चालक व परिचालक से मामले की जानकारी जुटाई। वहीं बस में सवार 60 यात्रियों की सुरक्षित जान बचाने व बस को पलटी खाने से पहले ही नियंत्रित करने वाले साहस पर चालक की पीट थपथपाई। दहशत से सहमे यात्रियों ने कहा कि आज डिग्गी कल्याण जी महाराज ने बस का चालक बन उनकी जान बचा उन्हें नवीन जीवनदान दिया है। बस के चालक को प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में पुरस्कृत किये जाने की आवश्यकता है।

अवैध बजरी खनन मामले में तीन गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन के रोकथाम अभियान के तहत बौंली पुलिस थाने के 21जनवरी को दर्ज मामले के अनुसंधान अधिकारी सहायक उप निरीक्षक जरदार खान के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध बजरी खनन व परिवहन में फरार चल रहे तीन वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। बौंली थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक रूप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने ग्राम बहनौली से अवैध बजरी खनन व परिवहन कर रहे तीन डंपर तीन ट्रैक्टर ट्रॉली व तीन ट्रॉली को विभिन्न धाराओं सहित एमएमडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जब्त कर एक ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक किरोड़ी लाल मीणा को गिरफ्तार किया था। शेष वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए थे। जिन्हें अनुसंधान अधिकारी सहायक उप निरीक्षक जरदार खान के नेतृत्व में गठित टीम ने 31 जनवरी को रामेश्वर प्रसाद माली निवासी पहाड़ी चुंगी थाना निवाई जिला टोंक, सियाराम गुर्जर निवासी रामपुरा नयागांव थाना दतवास जिला टोंक एवं लखपत गुर्जर निवासी डूंगरी थाना मित्रपुरा को बौंली नगर पालिका मुख्यालय से गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं में 55 किग्रा श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता और स्नैच वर्ग के 88 किग्रा में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है।

- बिंद्यारानी देवी

मैं अच्छी तरह से तैयार थी और अपने प्रदर्शन से खुश हूं।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

उस्मान ख्वाजा

ऑस्ट्रेलियाई बैटर उस्मान ख्वाजा ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहले टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को 352 बॉल पर 232 रन की पारी खेली। ख्वाजा के अलावा, स्टीव स्मिथ ने 141 और जोश इंग्लिश ने 102 रनों की शतकीय पारियां खेलीं।

ख्वाजा, स्मिथ और इंग्लिस की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 654/6 के स्कोर पर घोषित की। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने 3 विकेट पर 44 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह 330/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंदों में) एबी डिविलियर्स ने बनाया है, उन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुक्केबाज मनोज कुमार ने संन्यास लिया, अब कोचिंग देंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज मनोज कुमार ने गुरुवार को संन्यास लेने की घोषणा की और अब कोच के तौर पर नयी पारी की शुरूआत करेंगे। लाइट वेल्टरवेट (64 किठाा) में प्रतिस्पर्धा करने वाले 39 वर्षीय मुक्केबाज ने 2010 दिल्ली में अपना पहला और राष्ट्रमंडल खेलों का एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई चैंपियनशिप में दो बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में दूसरा और अंतिम कांस्य पदक उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में जीता था। दो बार के ओलंपियन मनोज 2012 लंदन और 2016 रियो दि जिनेरियो दोनों में प्री क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। हरियाणा के कैथल के इस मुक्केबाज ने कहा, "अब मैं 40 साल का हो गया हूं तो यह सोच समझकर लिया गया फैसला है क्योंकि अंतरराट्रीय नियमों के अनुसार एमेच्योर प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकता। मैं संतुष्ट हूं क्योंकि देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।"मनोज ने अपना मुक्केबाजी करियर 1997 में जूनियर स्तर पर शुरू किया था और 2021 में पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान से कोचिंग डिप्लोमा हासिल किया था। चोटों और चयन मुद्दे पर राष्ट्रीय महासंघ के साथ विवाद के कारण उनका करियर गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के बाद थम गया और वह इसके बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नहीं खेले। अब वह कुरूक्षेत्र में अपने बड़े भाई और कोच राजेश कुमार के साथ बनाई गई मुक्केबाजी अकादमी में कोचिंग देंगे।

कोहली के बारे में कोच बोले-दिल्ली में मौका नहीं मिला, तो रेलवे गए

नई दिल्ली । 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी कर रहे विराट कोहली खास प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्हें रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने क्लीन बोल्ड कर दिया। ये वहीं गेंदबाज है, जिसे दिल्ली की रणजी टीम में जगह नहीं मिली थी। 29 साल के हिमांशु दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं। वे अंडर-19 दिल्ली टीम का हिस्सा रहे हैं। हिमांशु के कोच अमित वशिष्ठ ने बताया- मौका नहीं मिलने पर हिमांशु ने रेलवे ज्वॉइन करने का फैसला किया। 2019 में रेलवे में वैकेंसी निकली थी। वे रेलवे में टिकट कलेक्टर हैं। उनके पिता बैक में रहे हैं। जबकि मां भी टीचर रह चुकी हैं। कौन हैं हिमांशु सांगवान 2 दिसंबर 1995 को जन्में हिमांशु ने 2019 में रेलवे के लिए उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। वे 23 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 77 विकेट झटके हैं। इस दौरान उन्होंने छह बार फोर विकेट हॉल तो तीन बार फाइव विकेट हॉल लिए हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में रेलवे से उन्होंने सितंबर 2019 में मध्यप्रदेश के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। उन्होंने 17 लिस्ट ए मैचों में 21 विकेट झटके हैं। हिमांशु दिल्ली के दिल्ली स्पोर्टिंग क्लब से निकले हैं। इस क्लब से मयंक डागर, ललित यादव, प्रदीप सांगवान और प्रिंस यादव जैसे क्रिकेटर भी निकल चुके हैं। प्रिंस को लखनऊ सुपर जायंट्स ने के अगले सीजन के लिए खरीदा है।

मार्श पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बोर्ड का सिलेक्शन पैनल जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा करेगा। 33 साल के मार्श ने हाल ही में भारत के खिलाफ खत्म हुई टेस्ट सीरीज के दौरान पीठ में तकलीफ की शिकायत की थी। उस सीरीज में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और आखिरी मैच जो सिडनी में खेला गया था उससे उन्हें ड्रॉप कर दिया गया था। उस मैच में ब्यू वेबस्टर को उनकी जगह मौका मिला था। ने सभी टीमों के ऐलान की आखिरी तारीख 12 जनवरी रखी थी। हालांकि, स्क्वॉड में 12 फरवरी तक बदलाव किए जा सकते हैं, यह की डेडलाइन है। इससे पहले ही ऑस्ट्रेलिया को मार्श के रिप्लेसमेंट की घोषणा करनी होगी। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया अपने ग्रुप स्टेज के सभी मैच लाहौर और रावलपिंडी में खेलेगा। उसे ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में अफगानिस्तान, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका शामिल हैं।पैट कमिंस को ही कप्तानी की जिम्मेदारी टीम की कप्तानी पैट कमिंस को ही सौंपी गई है, हालांकि उनके टूर्नामेंट में खेलने को लेकर संशय है। कमिंस को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टखने में चोट लग गई थी। कमिंस अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए श्रीलंका दौरे पर भी नहीं गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में दो टेस्ट मैचों की कप्तानी स्टीव स्मिथ कर रहे है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण पदक

देहरादून। विश्व जूनियर चैंपियन पार्थ माने ने 38वें राष्ट्रीय खेल में त्रिशूल शूटिंग रेंज पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। महाराष्ट्र के ही रुद्रांक्ष पाटिल ने रजत पदक अपने नाम किया, और सर्विसेज की ओर से खेल रहे किरन जाधव ने कांस्य पदक जीता। 17 वर्षीय पार्थ माने ने फाइनल के दौरान केवल एक सीरीज को छोड़कर शुरू से ही अपनी बढ़त बनाए रखी। अनुभवी निशानेबाजों की उपस्थिति के बावजूद, उन्होंने अपने आत्मविश्वास और धैर्य को बनाए रखा। 12वें और 14वें शॉट में 9.9 और 10.0 स्कोर करने के बावजूद, उन्होंने अगले 10 शॉट्स में से छह में 10.7 या उससे अधिक अंक अर्जित किए।

भारत ने इंग्लैंड को 15 रन से चौथा टी-20 हराया

सीरीज में 3-1 की बढ़त, हर्षित-बिश्नोई को 3-3 विकेट; हार्दिक-दुबे की फिफ्टी

पुणे। भारत ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 में 15 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त भी ले ली। पुणे के स्टेडियम में इंग्लैंड ने शुक्रवार को बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 181 रन बनाए। इंग्लिश टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

भारत के लिए शिवम दुबे के कन्कशन सब्स्टीट्यूट हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। रवि बिश्नोई को भी 3 विकेट मिले। वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला। बैटिंग में हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे ने 53-53 रन की पारी खेली। आखिरी टी-20 मैच 2 फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।

20वें ओवर में अर्शदीप सिंह भारत के लिए बॉलिंग करने उतरे। उन्हें 19 रन डिफेंड करने थे। शुरुआती 3 गेंदों पर 3 रन देने के बाद चौथी गेंद पर अर्शदीप ने साकिब महमूद को कैच आउट करा दिया। साकिब के विकेट के साथ इंग्लैंड की टीम ऑलआउट भी हो गई। टीम ने 19.4 ओवर में 166 रन बनाए। 19वें ओवर की आखिरी बॉल पर हर्षित राणा ने अपना तीसरा विकेट लिया। उन्होंने जैमी ओवर्टन को बोल्ड किया। ओवर्टन ने 15 गेंद पर 19 रन बनाए। हर्षित ने लियम लिविंगस्टन और जैकब बेथेल को भी पवेलियन भेजा था।हर्षित राणा ने 17वें ओवर की 5वीं बॉल पर जैकब बेथेल को कैच कराया। बेथेल ने 9 गेंद पर 6 रन बनाए। हर्षित बतौर कन्कशन सब्स्टीट्यूट बनकर मैदान में उतरे हैं।

उन्होंने लियम लिविंगस्टन को भी कैच कराया था। वरुण चक्रवर्ती 15वें ओवर में अपने स्पेल का आखिरी ओवर लेकर आए। उन्होंने तीसरी गेंद पर हैरी ब्रूक और पांचवीं गेंद पर ब्रायडन कार्स को कैच आउट कराया। कार्स ने 2 गेंद पर 4 रन बनाए। चक्रवर्ती सीरीज में 12 विकेट ले चुके हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी की ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले कोई ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। ऑफिशियल कैप्टन फोटोशूट भी नहीं होगा। यह आयोजन ऐसे तो टूर्नामेंट के मेजबान देश में होता है, लेकिन यह पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी का हिस्सा नहीं होगा, जो 1996 के बाद देश में पहला टूर्नामेंट है।

क्रिकबज को एक सूत्र ने बताया, या ने कभी भी ओपनिंग सेरेमनी की घोषणा नहीं की। कुछ टीमें देरी से पाकिस्तान पहुंच रही हैं, ऐसे में यह संभव नहीं है। इससे पहले, गुरुवार को ने खबर दी थी कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल मिलकर जल्द ही ओपनिंग सेरेमनी की घोषणा करेंगे। इसका आयोजन महाराजा रणजीत सिंह के बनवाए हजूरी बाग किले में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगी।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 18 या 19 फरवरी को लाहौर पहुंचेगीं इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 18 या 19 फरवरी को लाहौर पहुंचेगी। इंग्लैंड की टीम फिलहाल भारत से टी-20 और वनडे सीरीज खेल रहा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका दौरे पर है। जहां उसे दो टेस्ट और दो वनडे मैच खेलने हैं।

राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान वुशू टीम के 4 खिलाडी फाइनल में तथा 4 खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीते

जयपुर/देहरादून। उत्तराखंड में खेलें जा रहें राष्ट्रीय खेलो में राजस्थान वुशू टीम के 4 खिलाडी कल फ़ाइनल मुकाबले खेलेंगे। राष्ट्रीय खेलो मे राजस्थान वुशू टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि पुरुष वर्ग मे 75 किलोठााम भारवर्ग मे शुभम गोरा, 48 किलोठााम भारवर्ग मे मेघा जोशी, 65 मे नितिका बंसल व 75 मे महक शर्मा फाइनल मे प्रवेश किया। इसके साथ की 48 किलोठााम मे देवराज सिंह, 80 किलोग्राम में विकास यादव, 60 किलोग्राम मे ईशा गुर्जर व 75 मे मंजू चौधरी ने कांस्य पदक जीता। भारतीय वुशू टीम के कोच राजेश कुमार टेलर ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी।

आर लीग यूथ अंडर-13 बॉयज फुटबॉल प्रतियोगिता में शुक्रवार को पांच मैच हुए

जयपुर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में सुबोध स्कूल में जारी आर लीग यूथ अंडर - 13 फुटबॉल प्रतियोगिता में शुक्रवार को पांच मैच खेले गए, पहला मैच चैंपियन मेकर्स और एफ सी ब्रदर यूनाइटेड के बीच खेला गया, दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया तथा निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी से ड्रॉ खेला।

दूसरा मैच जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी और जयपुर यूनाइटेड के मध्य खेल गया जिसमें दोनों टीमों ने गोल रहित ड्रॉ खेला, तीसरा मैच रिहान फुटबॉल एकेडमी और राजस्थान फुटबॉल स्कूल के मध्य खेला गया दोनों टीमें निर्धारित समय तक 2 - 2 से बराबर रही, चौथा मैच ए एस एल जयपुर और रॉयल फुटबॉल क्लब,जयपुर के बीच खेला गया जिसमें रॉयल फुटबॉल क्लब ने 2 - 0 से जीत हासिल की, दिन का अंतिम और पांचवां मुकाबला जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब और जयपुर फुट्सल के मध्य खेला गया इस एकतरफा मुकाबले में जयपुर एलीट ने 3-0 से विजय प्राप्त की। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 19 जनवरी से शुरू हुई आर लीग 2 महीने तक चलेगी तथा कुल 90 मैच खेले जाएंगे, साथ ही बताया कि इस आयु वर्ग में इतनी बड़ी लीग करवाने वाला केरल के बाद राजस्थान दूसरा फुटबॉल

सचिन तेंदुलकर को मिलेगा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

मुंबई । सचिन तेंदुलकर को लाइफ टाइम अवॉर्ड देने जा रहा है। तेंदुलकर को यह अवॉर्ड शनिवार, 1 फरवरी को के हेड ऑफिस में वार्षिक समारोह में दिया जाएगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने से इस बात की पुष्टी की है। उसने कहा- हां, उन्हें (सचिन तेंदुलकर) सीके नाइडू लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया जाएगा। 51 साल के तेंदुलकर यह अवॉर्ड हासिल करने वाले 31वें क्रिकेटर होंगे। उनके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023-24 के बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड देगा। जबकि स्मृति मंधाना ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार जीता है। तेंदुलकर ने भारत के लिए 664 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उनके नाम टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हैं। तेंदुलकर ने 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन बनाए हैं, जबकि 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। सचिन ने एक टी-20 इंटरनेशनल मैच भी खेला है। इससे पहले 2023 में भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री को यह अवॉर्ड दिया गया था। तेंदुलकर को अवॉर्ड क्यों? अपने युग के महानतम बल्लेबाज कहे जाने वाले तेंदुलकर को हर परिस्थिति में असानी से रन बनाने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट पदार्पण किया और अगले 20 साल में उन्होंने दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए। उनके नाम टेस्ट और वनडे को मिलाकर 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। तेंदुलकर भारत की 2011 वर्ल्ड कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। यह उनका रिकॉर्ड छठा और आखिरी वर्ल्ड कप था। तेंदुलकर को अवॉर्ड क्यों? अपने युग के महानतम बल्लेबाज कहे जाने वाले तेंदुलकर को हर परिस्थिति में असानी से रन बनाने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट पदार्पण किया और अगले 20 साल में उन्होंने दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए। उनके नाम टेस्ट और वनडे को मिलाकर 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। तेंदुलकर भारत की 2011 वर्ल्ड कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

जेसन गुनावान को हराकर किदाम्बी श्रीकांत थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

पथुमवान (थाईलैंड)। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को हांगकांग चीन के जेसन गुनावान को हराकर थाईलैंड मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां निमिबुत्र स्टेडियम में खेले गये राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में श्रीकांत ने गुनावान को सीधे सेटों में 21-19, 21-15 से हराया। किदांबी श्रीकांत की जेसन गुनावान पर यह लगातार दूसरी जीत थी दिन के दूसरे पुरुष एकल मुकाबले में भारत शंकर सुब्रमण्यन ने शानदार वापसी करते हुए इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो को 59 मिनट तक चले मैच में 9-21, 21-10, 21-17 से हराया। शंकर सुब्रमण्यन इंडोनेशिया के तीसरे वरीय खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम हार गए, लेकिन दूसरे गेम में वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम में ले गए। इस जीत के साथ ही वह टूर्नामेंट के क्वार्टरफानइल में पहुंच गये है। दोनों भारतीय शटलर अंतिम आठ में चीन के प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करेंगे। श्रीकांत का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त झेंग जिंग वांग से होगा।

राजस्थान-आंध्रा रणजी मैच, गेंदबाजों ने राजस्थान को पहली पारी में बढ़त दिलाई

जयपुर। विजियनठााम में खेले जा रहे राजस्थान - आंध्रा रणजी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार , खलील अहमद , अनिकेत चौधरी की शानदार गेंदबाजी के दम पर राजस्थान ने आंध्रा के खिलाफ पहली पारी में बढ़त हासिल की। टीम के लिए के एस भारत 52 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार , खलील , अनिकेत व अराफात ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आंध्रा टीम को पहले पारी में 220 रनो के स्कोर पर आल आउट करते हुए टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। राजस्थान के लिए मानव सुथार 65/4, खलील अहमद 25/3, अनिकेत चौधरी 53/2 व अराफात 49/1 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान दूसरी पारी 95/7 दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 95 रन बना लिए थे , टीम के लिए अभिजीत तोमर 31, अजय कुकना नाबाद 17 व अराफात नाबाद 12 रन बनाकर खेल रहे हैं।

राज्य स्तरीय अंडर 14 यूथ कप

अरावली क्लब ने जीता यूथ कप

जयपुर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए 2 दिवसीय फाइनल मैच में अरावली क्लब ने के एल सैनी एकेडमी को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर चैंपियनशिप जीती।

के एल सैनी एकेडमी ने कल के स्कोर 48 रन पर 2 विकेट से आगे खेलते हुए कनिष्क के 67 रन, रमन चौधरी के 44 रन, उज्जवल शर्मा के 18 रन व आयुष के 20 रनों से 85.2 ओवर में 186 रन बनाए। अरावली क्लब के लिए रजत ने 35 पर 2, संजीव कुमार ने 37 पर 2, परम सिंह ने 23 पर 2, राकेश ने 21 पर 2 विकेट लिए। अरावली क्लब ने पहली पारी में 21 रनों की बढ़त बनाई। मैच समाप्त होने तक अरावली क्लब ने दूसरी पारी में 11 ओवर में 2 विकेट पर 59 रन बनाए। मैच ड्रा हुआ, अरावली क्लब की टीम पहली पारी की बढ़त से जीत कर चैंपियन बनी।

राजस्थान शूटिंग टीम ने 6 पदक हासिल किए

जयपुर। राजस्थान शूटिंग टीम ने भोपाल में आयोजित प्रतिष्ठित तीसरी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप की क्ले पिजन ट्रैप शॉटगन इवेंट की व्यक्तिगत मेन केटेगरी में 01 पदक और क्ले पिजन ट्रैप शॉटगन इवेंट मेन और वीमेन टीम इवेंट में 02 पदक हासिल किये। इस प्रतिस्पर्धा में जूनियर व्यक्तिगत मेन केटेगरी में 02 पदक और जूनियर मेन टीम इवेंट 01-पदक हासिल कर कर कुल 06 पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है। चैंपियनशिप में देश भर के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों ने भाग लिया, जिन्होंने उल्लेखनीय कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रत्येक एथलीट ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सटीकता, समर्पण और संयम का प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत /टीम की सफलता में योगदान दिया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने टीम के प्रदर्शन पर बहुत गर्व व्यक्त किया और राज्य में शूटिंग प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास करने का वादा किया। दिग्विजय सिंह की स्मृति को सम्मानित करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शूटिंग के खेल में उभरती प्रतिभाओं का आगामी ट्रायल्स में योगदान देना है।

नन्हें मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग

4 नन्हें मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग

जयपुर। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 4 नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में संस्कार एकेडमी ने जयपुर ब्लूज को 23 रनों से हराया। टॉस जीतकर संस्कार एकेडमी को बल्लेबाजी के लिए निमंत्रण दिया। संस्कार एकेडमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आर्यमन कटारिया 86, राजवीर सिंह 57 रनों के सहयोग से 41 ओवर में 228 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जयपुर ब्लूज की ओर से भूमन शर्मा 3 , विशाल गोदारा ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए जयपुर ब्लूज ने श्रेय सक्सेना 69 रनों के सहयोग से 46 ओवर में 205 रन बनकर ऑल आउट हो गई। संस्कार की ओर से आदित्य झाला , राज्यवर्धन लांबा ने 3- 3 विकेट लिए। भदौरिया एकेडमी ने संघर्षपूर्ण मैच में कृष्णा एकेडमी को 1 विकेट से हराया : टॉस जीतकर भदौरिया एकेडमी ने गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कृष्णा एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 155 रन ऑल आउट हो गई । राहुल शर्मा 38 रन , मितलेश कुमार 37 रन बनाए। भदौरिया एकेडमी की ओर से राजवीर , सौरभ भदौरिया, मोहित खत्री ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भदौरिया एकेडमी ने तन्मय तिवारी 74 रनों के सहयोग से 28 ओवर में 9 विकेट पर 156 रन बनाए 1 विकेट से जीत दर्ज की। कृष्णा एकेडमी की ओर से अक्षय 3, ऋषभ मोदी ने 2 विकेट लिए।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

यश पान्डे की घातक गेंदवाजी से बनीपार्क की आसान जीत

जयपुर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज डॉक्टर सोनी स्टेडियम कालवाड में खेले गये मुकाबले में मेजबान बनीपार्क क्रिकेट क्लब के यश पान्डे 12 रन पर 5 विकेट, मिहीत अठावाल 8 रन पर 2 विकेट, रोहन राजभर 16 रन पर 2 विकेट के धारदार गेंदबाजी की बदौलत चेतक क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया। टॉस जीतकर चेतक क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन तनिष्क राज 24 रन को छोडकर कोई भी बल्लेबाज मेजवान बनीपार्क क्रिकेट क्लब कें गेंदबाजो यश पान्डे 12 रन पर 5 विकेट मिहीत अग्रवाल 8 रन पर 2 विकेट रोहन राजभर 16 रन पर 2 विकेट की गेंदवाजी के समक्ष नही टिक सके और पुरी टिम 25.4 ओवर में मात्र 63 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी में बनीपार्क क्रिकेट क्लब में देव 23 रन राहुत खण्डेलवाल 15 श्रेय सक्सेना 14 रन के विकेट गवाह कर विजय लक्ष्य 67 रन 4 विकेट खोकर 7.4 ओवर में हासिल कर 6 विकेट से आसान जीत दर्ज कर ली।

जयपुर पोलो सीजन के अंतर्गत आयोजित हुआ एग्जीबिशन मैच

एयू जयपुर ने 1 गोल से जीता एयू जयपुर ट्रिलॉजी कप

जयपुर। जयपुर पोलो सीजन के अंतर्गत शुक्रवार को राजस्थान पोलो ठााउंड पर एयू जयपुर ट्रिलॉजी कप का एग्जीबिशन मैच खेला गया। यह मैच टीम एयू जयपुर और टीम 61 कैवेलरी के बीच खेला गया, जिसमें एयू जयपुर ने 6-5 के स्कोर से 61 कैवेलरी को हराकर कप अपने नाम कर लिया।

इस अवसर पर एयू स्माल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी और सीईओ, श्री संजय अठावाल ने कहा कि "पोलो जयपुर की समृद्ध विरासत और खेल संस्कृति का एक अभिन्न अंग है और हमें एक बैंकिंग भागीदार के रूप में जयपुर पोलो टीम के साथ जुडने पर गर्व है जो कि हिज़ हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में विरासत और कौशल का एक आदर्श मिश्रण साबित हुई है। इस वर्ष एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और खेल उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए एयू जयपुर ट्रिलॉजी - अपनी तरह की एक 3-इवेंट श्रृंखला लेकर आया है। जयपुर पोलो टीम के साथ हमारा जुड़ाव इस उद्देश्य से किया गया है की जिस शहर और राज्य ने हमें आकार दिया है हम भी उसके लिए कुछ कर सकें। विजेता टीम एयू जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल, सरदार जैसल सिंह ने 2 गोल और राव हिम्मत सिंह बेदला ने 1 गोल कर टीम को विजयी बनाया।

इसके अतिरिक्त, टीम से लांस वॉटसन भी खेले। दूसरी ओर, टीम 61 कैवेलरी से निकोलस कॉर्टी माडेर्ना ने 3 गोल किए। वहीं, भवानी सिंह कालवी और डीनो धनखड ने 1-1 गोल किया। टीम में कर्नल वीएस कहलों भी शामिल थे।

गेपसागर झील पर वन विभाग की ओर से दो दिवसीय मध्य शीतकालीन पक्षी गणना की गई। गणना में पिछले वर्षों के मुकाबले काफी कम पक्षी दिखाई दिए।

आतंकवादी राणा का प्रत्यर्पण शीघ्र होगा

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। मुंबई में 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है और अब भारत एवं अमेरिका की सरकारों के बीच प्रक्रिया को लेकर काम शुरू हो गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी 2025 को आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अब हम मुंबई आतंकी हमले के आरोपी के भारत प्रत्यर्पण के लिए प्रक्रियात्मक मुद्दों पर अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि इस बारे में होने वाली प्रगति की सूचना साझा की जाएगी।

हत्याकांड के आरोपी मोनू मानेसर की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 31 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने हरियाणा के भिवानी में भरतपुर के जुनैद और नासिर की जलाकर हत्या करने के मामले में मोहित उर्फ मोनू मानेसर सहित, अन्य की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने ये आदेश मोहित व अनिल की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ **16 फरवरी 2023 को कार में मिली दो अधजली लाशों के मामले में हाई कोर्ट ने यह आदेश दिया।**

जमानत याचिका में अधिवक्ता अश्विनी गर्ग ने कहा गया कि मौके पर याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज में भी उसकी उपस्थित दर्ज नहीं है। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों ने भी अपने बयान में माना है कि याचिकाकर्ता मौके पर नहीं था। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील और पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता एसएस अली ने कहा कि मानेसर घटना के मुख्य अभियुक्त से फोन पर संपर्क में था और वह षडयंत्र में शामिल था। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 16 फरवरी, 2023 को हरियाणा के भिवानी में एक कार में दो अधजली लाशें मिली थीं। पुलिस को जांच में पता चला कि ये लाशें भरतपुर के घाटमिका गांव में रहने वाले जुनैद और नासिर की थीं। मामले में पुलिस ने मोनू मानेसर और अनिल सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली में आप के 7 विधायकों ने पार्टी छोड़ी

इस्तीफा देने वाले सभी विधायकों ने टिकट नहीं मिलने और भ्रष्टाचार को पार्टी छोड़ने की वजह बताई

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (आप) के सात विधायकों ने शुक्रवार को इस्तीफे का ऐलान कर दिया। आप के सात विधायकों, राजेश ऋषि, नरेश यादव, रोहित कुमार महरौलिया, भावना गौड़, भूपेंद्र सिंह जून, मदन लाल और पवन शर्मा ने पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की। इन सभी ने विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने और आप में भ्रष्टाचार को इस्तीफे की वजह बताई।

■ **जनकपुरी से दो बार विधायक रहे राजेश ऋषि ने कहा, ''आम आदमी पार्टी एक अनियंत्रित गिरोह के लिए स्वर्ग बन गई है। पार्टी का नेतृत्व भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और तानाशाही का पर्याय बन गया है।**

जनकपुरी से दो बार के विधायक राजेश ऋषि ने अरविंद केजरीवाल को भेजे इस्तीफे में आरोप लगाया कि पार्टी मूल सिद्धांतों को त्यागकर भ्रष्टाचार में डूब गई है। उन्होंने आप को एक अनियंत्रित गिरोह बताते हुए लिखा, 'आम आदमी पार्टी एक अनियंत्रित गिरोह के लिए लिए स्वर्ग बन गई है। पार्टी का नेतृत्व भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद और तानाशाही के साथ पर्यायवाची हो गई है।

आदर्श नगर से विधायक पवन शर्मा ने अरविंद केजरीवाल को भेजे पत्र में लिखा, आम आदमी पार्टी जिस ईमानदार विचारधारा पर बनी थी उससे पार्टी भटक चुकी है।

कस्तूरबा नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक मदन लाल ने केजरीवाल को भेजे इस्तीफे में कहा है कि अब उनका पार्टी में विश्वास नहीं रहा। महरौली के विधायक नरेश यादव ने भी पार्टी पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाकर इस्तीफा दे दिया है।

विधायकों के पार्टी से इस्तीफे पर आप विधायक ऋतुराज झा ने भाजपा पर विधायकों को लालच देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुझे भी पार्टी छोड़ने का लालच दिया गया था।

डूंगरपुर के गैपसागर में इस वर्ष कम पक्षी आये

डूंगरपुर, 31 जनवरी (निसं)। वन विभाग की ओर से की जा रही मध्य शीतकालीन पक्षी गणना के तहत, गेपसागर झील पर दो दिवसीय पक्षी गणना की गई। इसमें पिछले वर्षों के मुकाबले काफी कम पक्षी दिखाई दिए। उपवन संरक्षक रंगास्वामी ई ने बताया कि पक्षी विशेषज्ञ वीरेन्द्र सिंह बेडसा, बर्ड फोटोग्राफर, कनिष्क श्रीमाल, परम श्रीमाल व मोहम्मद अनीस ने गेपसागर पर पक्षी गणना की। पक्षी गणना में ग्रे लेग गुज, ब्राह्मणी डक, नॉर्दन शावलर, नॉर्दन पिनटेल, कॉमन पोचार्ड ,कॉटन टील, कॉमन कूट, ब्लैक टेल्ड गॉडविट, रेड शैंक, रफ, काम्ब डक, स्पॉट बिल्ड डक, व्हिसलिंग डक, पेंटेड स्टार्क, वूली नेक्ड स्टार्क, ओपन बिल्ड स्टार्क, ब्लैक हेडेड आइबिस, रेड नेपड आइबिस, ग्लौसी आइबिस, ग्रे हैरॉन, पर्पल हैरॉन, नाईट हेरान, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, कॉमन सैंड पाइपर, लार्ज कर्मोरेंट, लिटल कार्मो रेंट, इंडियन शेगर रिवर टर्न, विस्कर्ड टर्न, पर्पल स्वम्प हेन, कॉमन मूरहेन, व्हाईट ब्रेस्टेड वाटरहेंन, कॉमन किंग फिशर पाइड किंगफिशर, व्हाईट ब्रेस्टेड किंगफिशर, लिटल रिंग प्लावर, ब्रॉन्ज विंग्ड जकाना, लार्जीईग्रेट, लिटिल ईग्रेट, केटल ई सहित, पक्षियों की कई प्रजातियां दिखाई दीं।

■ **वन विभाग की शीतकालीन पक्षी गणना में कई ''प्रजातियाँ'' दिखाई दीं।**

'सफाई, अतिक्रमण और यातायात की समस्या से कैसे निपट रहा है प्रशासन?'

जयपुर, 31 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर जयपुर ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम के आयुक्त और डीसीपी ट्रेफिक को 10 फरवरी को पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि सफाई, अतिक्रमण, यातायात और पार्किंग सहित, आवारा पशुओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए क्या कार्रवाई की गई है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने ये आदेश शहर को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के संबंध में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, मामले से जुड़े अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने बताया कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट के पास मॉनिटरिंग के लिए आया था। हाईकोर्ट ने इन समस्याओं की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी भी गठित की, लेकिन कमेटी कुछ काम नहीं कर रही और केवल कागजों में ही काम हो रहा है। शहर में जगह-जगह कचरा फैला हुआ है, हर रोड पर ट्रैफिक जाम है और सड़कों पर आवारा पशु घूम रहे हैं। ऐसे में अदालती आदेशों की पालना नहीं हो रही है और राज्य सरकार व नगर निगम इसके लिए जिम्मेदार हैं। वहीं, राज्य सरकार की ओर से एएजी जीएस गिल ने कहा कि इन सभी समस्याओं को लेकर कार्रवाई हो रही है और इनका निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने तीनों अधिकारियों को पेश होने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर नगर निगम बनाम लेखराज सोनी के मामले में 31 अक्टूबर 2014 को राजस्थान हाईकोर्ट को जयपुर को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के मुद्दे पर पीआईएल दर्ज करने के लिए कहा था। इसके बाद से हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई की जा रही है।

■ **हाई कोर्ट ने निगम आयुक्त और जीसीपी ट्रैफिक को जवाब तलब किया।**

आईएएस नियुक्ति में गैर आईएएस अभ्यर्थियों का ''कोटा'' बनाये जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया

आरएएस एसोसिएशन की एसएलपी खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट द्वारा लगाये गये 5 लाख रूपए के जुर्माने को घटाकर दो लाख रूपए कर दिया और कहा नियुक्यिां नियमानुसार की गई थीं

जयपुर, 31 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गैर आरएएस से आईएएस में पदोन्नति के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से गत 5 दिसंबर को दिए फैसले को बरकरार रखते हुए आरएएस एसोसिएशन की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि गैर आरएएस अफसरों को आईएएस सेवा में पदोन्नति देने की प्रक्रिया में राज्य सरकार की ओर से नियमों की अवहेलना नहीं की गई है। ये पदोन्नति आईएएस भर्ती नियम, 1954 के तहत पूरी तरह से वैध है। हालांकि अदालत ने मामले में हाईकोर्ट की ओर से आरएएस एसोसिएशन पर लगाए पांच लाख रुपए के हर्जाने को घटाकर दो लाख रुपए कर दिया है।

राज्य सरकार के एएजी शिवमंगल शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद, अब गैर आरएएस सेवा वाले अफसरों की आईएएस सेवा में पदोन्नति पर भी सर्वोच्च अदालत की अंतिम स्वीकृति मिल गई है। दरअसल, आरएएस एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने गैर आरएएस सेवा से आईएएस सेवा में पदोन्नति का रास्ता साफ कर इस पर लगी रोक हटा दी थी। इसके साथ ही पदोन्नति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली आरएएस एसोसिएशन पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाते हुए याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा था कि एसोसिएशन ने गैर आरएएस सेवा से होने वाली पदोन्नति को रोकने के उद्देश्य और अपने निजी हितों के चलते यह याचिका दायर की है। एसोसिएशन चाहती है कि आईएएस सेवा में होने वाली पदोन्नति एसोसिएशन के सदस्यों में से ही की जाए। याचिका में एसोसिएशन का कहना था कि राज्य सरकार केवल विशेष हालात व परिस्थितियों में ही गैर आरएएस सेवा के अफसरों को आईएएस सेवा में पदोन्नत कर सकती है, लेकिन अब राज्य सरकार ने यह परिपाटी बना ली है।

■ **आईएएस भर्ती नियम 1954, के अनुसार, केवल विशेष परिस्थितियों में आईएएस नियुक्ति में 15 प्रतिशत अभ्यर्थी गैर आरएएस हो सकते हैं।**

■ **याचिकाकर्ता एसोशिएसन का आरोप था कि पिछली गहलोत सरकार ने बिना कोई वजह बताये इस ''प्रावधान'' को ''कोटा'' बनाकर गैर आएएस अफसरों की आईएएस पदों पर नियुक्ति की सिफारिश की थी।**

'रोहिंग्या शरणार्थियों का विस्तृत ब्यौरा दें, वे कहाँ बस रहे हैं और कितनी संख्या में हैं'

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने शरणार्थियों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला देने की गुहार पर याचिकाकर्ता से दिल्ली में रोहिंग्या लोगों के रहने के स्थान के संबंध में शुक्रवार को ब्यौरा मांगते हुए इसे रिकॉर्ड में लाने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव की ओर से दायर उस याचिका की सुनवाई के दौरान यह बात कही, जिसमें बच्चों को स्कूलों में दाखिले के लिए दिल्ली सरकार को आवश्यक निर्देश देने की गुहार लगाई गई है।पीठ ने एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस से हलफनामा दाखिल कर यह बताने को कहा कि रोहिंग्या कहां रह रहे हैं। उनके रहने के कौन से इलाके हैं।

अपनी जनहित याचिका में एनजीओ ने शीर्ष अदालत से दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा 23 दिसंबर, 2024 को जारी किए गए उस परिपत्र को रद्द करने की मांग की, जिसमें सरकारी स्कूलों को रोहिंग्या शरणार्थियों के बच्चों को दाखिला देने से रोकने का प्रावधान किया गया है।

शम्भू बार्डर पर किसान आंदोलन में एक और किसान की मृत्यु

अमृतसर, 31 जनवरी। शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में हिस्सा लेने गए अमृतसर के गांव कक्कड़ के किसान प्रगट सिंह की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। उनकी दो बेटियां और एक बेटा है और प्रगट सिंह दो एकड़ भूमि के मालिक थे। जानकारी के अनुसार, सुबह प्रगट सिंह अचानक गिर गए। उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गांव कक्कड़ अमृतसर जिले का सीमांत गांव है। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी ने मृतक किसान के परिवार को 500000 रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

साथ ही, 11 फरवरी से 13 फरवरी तक होने वाली तीन किसान महापंचायतों को सफल बनाने के लिए किसान नेता पूरी रणनीति में जुटे हुए हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन आज (शुक्रवार) 66वें दिन में प्रवेश कर गया है। हालांकि भूख हड़ताल के कारण डल्लेवाल का शरीर कमजोर हो गया है। इसके कारण उन्हें बुखार आ गया है, वह जरा सी भी हरकत बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। 14 फरवरी को केन्द्र सरकार ने चंडीगढ़ में किसानों के साथ बैठक करने का फैसला किया है। इससे पहले किसान बॉर्डर पर बड़ी संख्या में जुटकर यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि आंदोलन को भले ही एक साल हो गया है, लेकिन उनके हौसले अभी भी बुलंद हैं। साथ ही, वे लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

■ **मृतक प्रगट सिंह के दो बेटियाँ व एक बेटा है तथा वह दो एकड़ भूमि के मालिक थे।**

प्रयागराज जांच आयोग ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

महाकुम्भनगर, 31 जनवरी। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या स्नान पर हुए हादसे की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है।

आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने शुक्रवार को प्रयागराज में अधिकारियों के साथ पहली बैठक की। बैठक के बाद आयोग ने संगम नोज़ के निकट घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा कि घटनास्थल की टोपोग्राफी और परिस्थितियों का अध्ययन किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा।

■ **न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा, सीसीटीवी फुटेज व अन्य सबूतों का गहराई से विश्लेषण किया जायेगा।**

'चुनाव आयोग मतदान के वीडियो क्लिप सुरक्षित रखे'

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदान की वीडियो क्लिप सुरक्षित रखे। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने के फैसले के खिलाफ याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान मतदान की वीडियो क्लिप सुरक्षित रखने का आयोग को निर्देश दियस।

पीठ ने कहा, हम प्रतिवादी संख्या 1 को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग बनाए रखने का निर्देश देना उचित समझते हैं, जैसा कि वे पहले कर रहे थे।

अदालत ने चुनाव आयोग के अधिवक्ता के जनहित याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगने के बाद यह निर्देश दिया और आयोग को हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का और समय दिया।

सिंह ने भारत भर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए अगस्त 2024 में चुनाव आयोग के पत्राचार की वैधता को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा था।

जेजेएम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की लार्जर बेंच तय कर चुकी है कि ऐसे मामलों में यदि अदालत जमानत देती है तो उसे यह बताना होगा कि संबंधित आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता, जबकि इस मामले में आरोपी के खिलाफ ईडी कोर्ट प्रसंज्ञान ले चुका है। इसके अलावा, कोई भी आरोपी यह नहीं कह सकता कि उसके सह आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है तो उसे जमानत दी जाए। ऐसे में आरोपी की जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

प्रीबजट इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार, 25-26 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

हालाँकि, सर्वेक्षण यह मूल्यांकन नहीं करता कि ए.आई में हो रहे नए विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ -सेवा निर्यातों (सर्विस एक्सपोर्ट्स) पर क्या प्रभाव डाल सकते हैं। आई टी सक्षम सेवाएँ ए.आई. से गंभीर रुप में प्रभावित हो सकती हैं, जो भारत के सेवा निर्यातों के कई मुख्य क्षेत्रों को अनावश्यक व बेकार बना सकती हैं। भारत को इस नए परिवेश में स्वयं को पुन: समायोजित करना होगा।

सर्वेक्षण अनुमान करता है कि 2025-26 के वित्तीय वर्ष में भारत का जी.डी.पी. 63 प्रतिशत से 68 प्रतिशत के बीच बढ़ेगा। अनुमानित वृद्धि दरें महामारी से पहले के वर्षों के मुकाबले कम हैं। आशावादी कारक यह है कि पूंजीगत व्यय में साल दर साल आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और घरेलू खपत खर्च में भी मजबूती है।

सर्वेक्षण इस बात को लेकर आशावादी है कि समग्र महंगाई (ओवर ऑल इन्फ्लेशन) लक्षित सीमा (टारगेटेड रेंज) के भीतर रहेगी, क्योंकि महंगाई का मुख्य कारण सिर्फ कुछ खाद्य वस्तुएं हैं। इकोनॉमिक सर्वे देश में बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के विकास और कार्यकुशलता में वृद्धि के प्रति आशावादी है।

सर्वे भारतीय औद्योगिक और उत्पाउद में एआई के संतुलित उपयोग की सिफारिश करता है, यह ध्यान में रखते हुए कि एआई उत्पादों के उपयोग से रोजगार और सामाजिक प्रभाव हो सकते हैं। सर्वेक्षण यह भी बताया है कि पिछले सभी प्रौद्योगिकी विकास की तरह, नई तकनीकें अक्सर शॉर्ट टर्म में रोजगार हानि का कारण बन सकती हैं। अन्तत:, नई तकनीकी प्रगति उत्पादकता में सुधार करके विभिन्न क्षेत्रों में नए रोजगार उत्पन्न करती है। इन तकनीकी उत्पादों को लागू करने से पहले इनका सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जैसा कि सर्वेक्षण ने सुझाया है।

नई तकनीकी प्रगति के साथ-साथ, सर्वेक्षण ने अर्थव्यवस्था में ''डीरैगुलेशन'' (सरकारी नियमों और नियंत्रण को कम करना) की आवश्यकता को रेखांकित किया है, ताकि जमीनी स्तर के आर्थिक खिलाड़ियों को मुक्त किया जा सके और उनकी उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके।

डीरैगुलेशन की अपनी नई रणनीति में सर्वे ने नई पहलों के लिए राज्य सरकारों को जिम्मेवार बनाया है। संवाददाताओं को जानकारी देते हुए, डॉ.वी. अनंता नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि नए रिफॉर्म्स और डीरैगुलेशन बड़े स्तर के सुधारों की तरह नहीं होने चाहिए। ये सूक्ष्म सुधार होंगे, जो वर्तमान में छोटे और मध्यवर्ती स्तर के उद्यमों की कार्यकुशलता को सीमित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वो राज्य, जो ग्राउंड-लेवल डीरैगुलेशन में कमी कर चुके हैं, वहाँ तेज़ी से विकास हुआ है। ये सूक्ष्म स्तर के नियम, कानून और नियंत्रण व्यापार संचालन की लागत को बढ़ाते हैं और रोजगार के विकास को भी प्रतिबंधित करते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ राज्यों में ग्राउंड-लेवल डीरैगुलेशन इस तरह के हैं कि व्यवसाय पहली मंजिल से ऊपर की जगह का उपयोग कर सकते हैं, जबकि ग्राउंड-लेवल को पार्किंग के लिए आरक्षित किया जाता है।

दो टिप्पणियों के नाम रहा, संसद के बजट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने इस बयान की कड़ी निंदा की तथा इसे ''अभिजात्य, गरीब-विरोधी तथा आदिवासी-विरोधी'' बताया।

उन्होंने ''एक्स'' पर लिखा,''मैं तथा भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के लिये श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा प्रयुक्त शब्द ''पुअर थिंग'' की कड़ी निन्दा करते हैं। ऐसी शब्दावली का जानबूझ कर प्रयोग करना कांग्रेस पार्टी की अभिजात्य, गरीब-विरोधी तथा आदिवासी-विरोधी प्रकृति को दर्शाता है। मैं माँग करता हूँ कि कांग्रेस पार्टी माननीय राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी समुदाय से बिना शर्त माफी माँगे।''

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इसे राष्ट्रपति का ''अभूतपूर्ण अपमान'' बताया है।

उन्होंने कहा, ''जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग राष्ट्रपति के लिये, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी तथा उनके पुत्र लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया, मैं तो उनकी कल्पना तक नहीं कर सकता। इसके अलावा उनसे और आशा भी क्या की जा सकती है?''

केन्द्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने इस विवाद को कांग्रेस के सैद्धांतिक झुकावों से जोड़ा है।

बंगाल के भाजपा नेता मजूमदार ने कहा, ''एक समय था, जब कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी मानी जाती थी। जब से राहुल गांधी ने इसकी जिम्मेदारी संभाली है, उनके सारे सलाहकार जेएनयू से निकले घोर वामपंथी हैं। यही कारण है कि उनकी सारी नीतियाँ तथा बयान सभी संवैधानिक पदों का अपमान करने वाले हैं। एक आदिवासी महिला, जो भारत का प्रथम नागरिक बनने की स्थिति तक पहुँची है, के लिए और उनके भाषण के लिये इस प्रकार के शब्दों के प्रयोग की अपेक्षा कांग्रेस से ही की जा सकती है।''

भाजपा आईटी प्रकोष्ट के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया है कि यह टिप्पणी कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति का अपमान किये जाने के तरीके का एक हिस्सा है।

उन्होंने ''एक्स'' पर लिखा, ''सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति को ''पुअर थिंग'' कहा जाना, इस उच्च पद को नीचा दिखाना तथा उनकी सामंती सोच को उजागर करता है। यह पहला अवसर नहीं है, जब कांग्रेस ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन देश की पहली आदिवासी महिला की हँसी उड़ाई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो प्राय: संविधान की प्रति दिखाते रहते हैं, राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट करने के लिए भी नहीं गये हैं। कांग्रेस के मन में बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान, संवैधानिक मूल्यों तथा सामाजिक रूप से उपेक्षित पृष्ठभूमि वाले समुदायों, जैसे दलित, ओबीसी, आदिवासी आदि के लिये कोई सम्मान नहीं है।''

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भी यही बातें दोहराई हैं। उन्होंने ''एक्स'' पर लिखा है, सोनिया गांधी ने यह कहकर कि ''बेचारी राष्ट्रपति अंत में बहुत थक गई थीं'', भारत की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति, महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का अपमान है, जो कांग्रेस की घटिया राजनीति एवं चरित्र के निम्न स्तर को उजागर करता है। यह नकली गांधी परिवार इस बात को बर्दाश्त ही नहीं कर सकता कि गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति उच्च संवैधानिक पदों पर पहुँच सके। यह अपमान प्रत्येक भारतीय, प्रत्येक आदिवासी तथा प्रत्येक महिला का अपमान है। यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह बहुत शर्मनाक और निन्दनीय वक्तव्य है। हम इसकी कड़ी भर्त्सना करते हैं।''

कांग्रेस सरकार के ''जल जीवन मिशन'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल जीवन मिशन को पिछली कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर देरी से शुरू किया। इस योजना में घोटालों के कारण राजस्थान की साख देश भर में खराब हुई। हमारी सरकार के वक्त इस योजना के काम में प्रगति हुई है। गांव-गांव में पानी पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सानिध्य में 'रामजल सेतु लिंक परियोजना के एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान किया गया। इससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी की पेयजल जरुरतों को पूरा किया जा सकेगा। इस परियोजना के 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर परियोजना का कार्य शुरू कर दिया है।

कोटा जिले में कालीसिंध नदी पर नवनेरा बांध का निर्माण अक्टूबर-2024 में पूरा कर लिया है। इंदिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास के अतिरिक्त राजस्थान में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं पर 2816 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं।

इससे 14517 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। भारत सरकार, हरियाणा तथा राजस्थान के मध्य हुए समझौते के आधार पर, सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों में यमुना नदी का जल लाने की दिशा में राजस्थान सरकार आगे बढ़ रही है। जल संरक्षण के लिए प्रदेश के 17 जिलों की 38 पंचायत समितियों में अटल भूजल योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसमें 1132 ग्राम पंचायतों में 459 करोड़ रुपये से जल संरक्षण व संवर्द्धन के कार्य कराए गए हैं।

सरकार ने 6091 करोड़ रुपये व्यय कर 11.17 लाख परिवारों को 'नल से जल' उपलब्ध कराया है। अब तक 30 वृहद् परियोजनाओं और 1618 लघु परियोजनाओं को पूर्ण कर 4951 गांवों को लाभान्वित किया गया है। बाड़मेर में नर्मदा नहर आधारित 2 वृहद् परियोजनाओं तथा जोधपुर व फलौदी में जल जीवन मिशन के तहत, इंदिरा गांधी नहर परियोजना पर आधारित 4 वृहद् पेयजल परियोजनाओं से 592 गांवों को लाभान्वित किया है। इस पर 927 करोड़ रुपये व्यय किए गए है।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान सरकार ने ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के साथ प्रदेश में 35 लाख करोड़ के निवेश की बुनियाद रखी है। हमारी सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। इससे राजस्थान का औद्योगिक विकास होगा। गुजरात में जिस तरह ''वाइब्रेंट गुजरात'' के जरिए देश-विदेश का निवेश आया, उसी तरह राइजिंग राजस्थान में भी 32 देशों के प्रतिनिधि आए।

राज्यपाल बागड़े ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार को सदन में घेरते हुए कहा कि, ''मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि पिछली सरकार के वक्त प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा। हमारे थर्मल प्लांट कोयले की कमी से जूझते रहे। ऐसी विषम परिस्थितियों में हमारी सरकार ने केन्द्र के मार्गदर्शन और छत्तीसगढ़ के साथ परसा ईस्ट कॉल ब्लॉक से कोयले का खनन फिर से शुरू करवाया, जिससे आज हमारे थर्मल पावर प्लांट को भरपूर कोयला मिल रहा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908